राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार, 20 दिसंबर-2021 वर्ष-4,अंक-327 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ग्राम पंचायत चुनाव पूर्ण,औसत 62प्रतिशत मतदान, 21 दिसंबर होगी मतगणना

गुजरात की 8684 ग्राम पंचायतों में आज शाम 6 बजे मतदान शांतिपूर्ण माहौल में पूर्ण हो गया। राज्य की ग्राम पंचायतों के चुनाव में शाम 6 बजे तक औसत 62 प्रतिशत मतदान होने की खबर है। सरपंच के चुनाव के लिए 27200 उम्मीदवार मैदान में हैं। जबकि वार्ड सदस्यों के लिए कुल 119998 उम्मीदवारों ने भाग्य आजमाया है। ग्राम पंचायतों के लिए करीब 23000 मतदान केन्द्र बनाए गए थे, जिसमें 6656 मतदान केन्द्र संवेदनशील और 3074 मतदान अति संवेदनशील थे। ग्राम पंचायतों की चुनाव प्रक्रिया के लिए 194586 अधिकारी और कर्मचारियों को लगाया गया था। शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव संपन्न कराने के लिए पुलिस अधिकारी, जवान और होमगार्ड समेत स्टाफ को सुरक्षा व्यवस्था में गाया गया था। अति संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर पुलिस की लगातार गस्त रही। राज्य की 8684 ग्राम पंचायतों में आज सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक छुटपुट घटनाओं को छोड़ मतदान शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। कई जगह घर्षण तो कहीं आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतें भी हुईं। शाम 6 बजे वोटिंग खत्म होने तक 62 प्रतिशत औसत मतदान हुआ है। जिसमें दक्षिण गुजरात में 57 प्रतिशत, उत्तर गुजरात में 62 प्रतिशत, सौराष्ट्र-कच्छ में 60 प्रतिशत और मध्य गुजरात में 58 प्रतिशत मतदान होने की खबर है। बता दें कि राज्य चुनाव आयोग ने 10812 ग्राम पंचायतों में चुनाव का ऐलान किया था। जिसमें 1165 ग्राम पंचायतें समरस यानी निर्विरोध घोषित की जा चुकी हैं।

जबकि कुछ ग्राम पंचायतों में विभिन्न कारणों से किसी ने उम्मीदवारी नहीं की,जिसकी वजह से वहां चुनाव नहीं हुए।

8684 ग्राम पंचायतों में चुनाव संपन्न हो गया। 21 दिसंबर को नतीजों का ऐलान किया जाएगा।

सूरत-तापी जिले की 657 ग्राम पंचायतों के लिए मतदान संपन्न

सूरत और तापी जिलों के 16 तालुकों की 657 ग्राम पंचायतों के चुनाव के लिए सुबह से मतदान शुरू हो गया है. दोनों जिलों के 1579 मतदान केंद्रों पर मतदान हो चुका है. जिसमें 639 सरपंच और 4469 वार्ड सदस्यों की सीटें मिली हैं. सूरत में अब तक 51.66 फीसदी और तापी में 56.23 फीसदी मतदान हुआ है. सूरत जिले में, 9 तालुकों की 407 ग्राम पंचायतों के चुनाव में, 391 सरपंच सीटों और 2539 सदस्य सीटों के उम्मीदवार चुने गए हैं। जिले के 949 मतदान केंद्रों पर 1915 मतपेटियों में मतदान हो चुका है. जबकि 8,00,322 मतदाता अगले 5 वर्षों के लिए ग्राम पंचायत के सरपंच और सदस्यों का चुनाव करेंगे। चुनाव प्रक्रिया के दौरान 102 रिटर्निंग अधिकारी, 102 सहायक रिटर्निंग अधिकारी, 5172 मतदान कर्मचारी और 1657 पुलिस कर्मचारी ड्यूटी पर थे। तापी जिले में, 248 सरपंच सीटों और 1930 सदस्यों पर 7 तालुकों की 250 ग्राम पंचायतों का चुनाव किया गया है। जिले के 630 मतदान केंद्रों पर 1005 मतपेटियों में मतदान हुआ. ग्राम पंचायत चुनाव लड़ने

वाले उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला 5,75,701 मतदाता सरपंच और ग्राम पंचायत के सदस्य के रूप में अगले 5 साल तक करेंगे.

चुनाव प्रक्रिया के दौरान कुल 61 रिटर्निंग अधिकारी, 61 सहायक रिटर्निंग अधिकारी, 3955 मतदान कर्मचारी और 1382 पुलिस कर्मचारी ड्यूटी पर थे।

अहमदाबाद के इन 10 क्षेत्रों में पशु दिखे तो उनके मालिकों पर होगी कार्यवाही

अहमदाबाद, शहर के उस्मानपुरा समेत 10 क्षेत्रों को नो कैटल जोन घोषित किया गया है। इन क्षेत्रों में अब यदि पशु दिखाई दिए तो पशु मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त संजय श्रीवास्तव में एक अधिसूचना जारी कर आश्रम रोड, रिवरफ्रंट पश्चिम, नारणपुरा, नवरंगपुरा, उस्मानपुरा, एलिसब्रिज, यूनिवर्सिटी, गुलबाई टेकरा और लो गार्डन समेत 10 इलाकों को नो कैटल जोन घोषित कर दिया है। अब इन इलाकों में पशु पालक अपने मवेशी छोड़ नहीं पाएंगे। इन इलाकों में यदि पशु दिखे तो उनके मालिकों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। इन क्षेत्रों में पशुओं का चारा भी नहीं डाला जा सकेगा। दरअसल आवारा पशुओं के कारण गंदगी, दुर्घटना, सिंग मारने से पेड़-पौधों को नुकसान, यातायात में अवरोध, कई बार तो राहगिरों को उछाल देने जैसी समस्याओं को लेकर लोग परेशान थे। इन समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए शहर पुलिस आयुक्त ने अधिसूचना जारी कर अहमदाबाद के 10 क्षेत्रों को नो कैटल जोन घोषित कर दिया है। इन क्षेत्रों में अधिसूचना का उल्लंघन करने पर पशु मालिकों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। अधिसूचना आज रात यानी 19 दिसंबर रात 12 से लागू हो गई है और अगले आदेश तक जारी रहेगी। गौरतलब है कि शहर में पिछले 18 दिनों के दौरान 1281 आवारा पशुओं को पकड़कर 99 मामले दर्ज किए गए थे। जिसमें बीते दिन पूर्वी अहमदाबाद के निकोल क्षेत्र में 6 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जिसे लेकर पशुपालकों ने निकोल पुलिस थाने के बाहर प्रदर्शन भी किया था। दूसरी ओर महानगर पालिका द्वारा भी आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्यवाही चल रही है।

महानगर पालिका की टीम ने 18 दिन में 1281 पशु पकड़े थे, जिसमें 172 पशुओं को छोड़ रु 9.61 लाख की आय अर्जित की है। एक साल में महानगर पालिका की टीम ने 10524 आवारा पशुओं को पकड़ा था, जिसमें 1349 पशुओं को उनके मालिकों ने रु 77.50 लाख का जुर्माना देकर छुड़वा लिया। जारी वर्ष में 777 रिपोर्ट पशु मालिकों के खिलाफ दर्ज की गई है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार — वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है। - तुलसीदास

संपादकीय

शादी की उम्रः विश्व-गुरु भारत

– डॉ. वेदप्रताप वैदिक

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तय किया है कि लड़कियों की शादी की उम्र को 18 साल से बढ़ाकर 21 साल कर दिया जाएगा। अब लड़कों के समान लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल हो जाएगी। इस फैसले का कई लोग विरोध भी कर रहे हैं। उनका तर्क है कि यह फैसला भी कृषि-कानूनों की तरह मनमाना है। क्या सरकार ने इसके बारे में भारत की लड़कियों से भी पूछा है? किसी कांग्रेसी महिला नेता ने सवाल किया है कि जब आपने 18 साल की लड़कियों को वोट का अधिकार दिया है तो उन्हें 18 साल में शादी का अधिकार क्यों नहीं देते? कुछ लोगों ने कहा है कि यह कानून नाकाम रहेगा, जैसे शराबबंदी का कानून रहता है। इसके अलावा कुछ लोगों का तर्क यह भी है कि गांवों की गरीब और अशिक्षित लड़कियां यदि 21 साल तक अविवाहित रहेंगी, तो उन्हें बेकारी और दुराचार का सामना भी करना पड़ सकता है। इन सब तर्कों को हम एकदम निराधार नहीं कह सकते हैं लेकिन पहली बात तो यह है कि सरकार ने यह फैसला अचानक नहीं किया है। इस मुद्दे पर भलीभांति विचार करने के लिए पिछले दो साल से एक आयोग काम करता रहा है। 1929 में लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र 14 साल तय की गई थी और 1978 में उसे 18 साल कर दिया गया था। भारत में तो लड़के-लड़कियों की शादियां उनके गर्भ में रहते हुए ही तय हो जाया करती थीं। इस बाल-विवाह की कुप्रथा का विरोध आर्यसमाज ने जमकर किया, जिसके फलस्वरूप 1929 में शारदा एक्ट का जन्म हुआ। अब जो फैसला हुआ है, वह स्त्री-पुरुष समानता का प्रतीक है। यदि लड़कों की शादी की न्यूनतम उम्र 21 साल है तो लड़कियों की भी वही उम्र क्यों न हो? नारियों को नरों से कमजोर क्यों समझा जाए? अभी भी देश की 23-24 प्रतिशत महिलाओं की शादी 18 साल के पहले ही हो जाती है। जब से लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ी है, देश में पैदा होनेवाले बच्चों की संख्या काफी घटी है और पैदा होते ही मरनेवाले बच्चों की संख्या भी घटी है। उनका स्वास्थ्य भी बेहतर हुआ है। लड़कियां देर से शादी करती हैं तो उनकी शिक्षा का स्तर भी ऊँचा होता है और उनका रोजगार भी। उनका आत्म विश्वास भी ज्यादा होगा। इससे जनसंख्या पर नियंत्रण भी होगा। भारत शायद दुनिया का एकमात्र और पहला देश होगा, जहां लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल होगी। चीन में यह 20 साल है। अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, जापान आदि में यह 18 साल है। रूस में 16 साल और ईरान में 13 साल है। अमेरिका के कुछ राज्यों में इससे भी कम है। वैसे भारतीय हिसाब से शादी की न्यूनतम उम्र 25 साल होनी चाहिए, क्योंकि यही ब्रह्मचर्य आश्रम का काल माना जाता है। इस तरह का कानून तभी कारगर हो सकता है, जबकि देश में सामाजिक जागृति का कोई बड़ा आंदोलन चले। भारत में यदि करोड़ों लोग इस मर्यादा का पालन करें तो उसे विश्व-गुरु बनने में ज्यादा देर नहीं लगेगी।

(लेखक सुप्रसिद्ध पत्रकार और स्तंभकार हैं)

सिंहभूम : हर भारतीय के लिए अपनी प्राचीन सभ्यता पर गर्व करने का अवसर

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि तमाम नए ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक शोध के निष्कर्षों के बाद भी आज भारत के कई विश्वविद्यालयों एवं राज्यों के निर्धारित अध्ययन पाठ्यपुस्तकों में यही पढ़ाया जा रहा है कि आर्य बाहर से आकर भारत में बसे थे। हालांकि अनेक अनुसंधानों ने यह सिद्ध कर दिया है कि आर्य शब्द का अर्थ श्रेष्ठ है और कभी कोई आर्य जैसी पहचान रखनेवाला व्यक्ति, समाज या समूह भारत के बारह से नहीं आया बल्कि भारत के श्रेष्ठजन (आर्य) ही भारतीय भू भाग से निकलकर संपूर्ण दुनिया में पहुंचे। वहां उन्होंने अपनी सनातन संस्कृति का जयघोष किया था, जिसके चिह्न विश्व भर में बिखरे हुए हैं। आज भी भारत में कई लोग हैं जो इसे स्वीकार नहीं करना चाहते। ऐसे सभी वामपंथी एवं अन्य इतिहासकारों को अब हर हाल में समझना होगा कि वे ऐसी पीढ़ी तैयार करने का अपराध कर रहे हैं, जिन्हें सत्य के आलोक के अभाव में अपने पूर्वजों पर कभी स्वाभिमान पैदा नहीं होगा। नए साक्ष्यों ने बहुत ही गहराई के साथ यह सिद्ध कर दिया है कि अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से 20 करोड़ साल पूर्व भारत में वह जीवन की अद्भुत घटना घटी है, जिसमें मनुष्य एवं पृथ्वी पर रहनेवाले समस्त जीव-जन्तुओं के विकासक्रम का आरंभ हो सका था। झारखंड में सिंहभूम जिला समुद्र से बाहर आने वाला दुनिया का पहला जमीनी हिस्सा होना पाया गया है। करीब 320 करोड़ साल पहले यह हिस्सा एक भूखंड के रूप में समुद्र की सतह से ऊपर था। वर्तमान में यह क्षेत्र उत्तर में जमशेदपुर से लेकर दक्षिण में महागिरी तक, पूर्व में ओडिशा के सिमलीपाल से पश्चिम में वीर टोला तक फैला हुआ दिखाई देता है। इस नई खोज का अर्थ यह हुआ कि अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्र सबसे पहले समुद्र से बाहर नहीं निकले। इसलिए पृथ्वी पर जीवन भी सबसे पहले भारत भूमि पर शुरू होता हुआ दिखाई देता है। वास्तव में सिंहभूम क्षेत्र के अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से भी 20 करोड़ साल पहले बाहर आ जाने के साक्ष्यों को देखने के बाद कहना होगा कि भारत को लेकर वैदिक संस्कृति में जिस जीवन की पहली किरण का उल्लेख है, वह पूरी तरह भारतीय भू भाग के संदर्भ में सत्य-सनातन है। भारत की ऋषि परम्परा और अरण्य संस्कृति इसी सिंहभूम से होकर चहुंओर व्याप्त हुई है। अब हम कुछ आगे चलते हैं, डॉ. शशिकांत भट्ट की पुस्तक 'नर्मदा वैली : कल्चर एंड सिविलाइजेशन' नर्मदा घाटी की सभ्यता के बारे में विस्तार से बताती है। इसके अनुसार नर्मदा किनारे मानव खोपड़ी का पांच से छः लाख वर्ष पुराना जीवाश्म मिला है। यहां डायनासोर के अंडों के जीवाश्म पाए गए हैं। दक्षिण एशिया में सबसे विशाल भैंस के जीवाश्म भी यहीं मिले हैं। इस घाटी में महिष्मती (महेश्वर), नेमावर, हतोदक, त्रिपुरी, नंदीनगर जैसे कई प्राचीन नगर उत्खनन से उनके 2200 वर्ष से लेकर पांच हजार से भी अधिक पुराने होने के प्रमाण देते हैं। जबलपुर से लेकर सीहोर, होशंगाबाद, बड़वानी, धार, खंडवा, खरगोन, हरसूद तक लगातार जारी उत्खनन ने ऐसे अनेक पुराकालीन रहस्यों को उजागर किया है। हम भारतीयों के लिए गर्व करने की बात यह भी है कि जिस व्यवस्थित सिन्धु सभ्यता की बात की जाती है, वह भी आज दुनिया में सबसे प्राचीनतम सिद्ध हो चुकी है। आईआईटी खड़गपुर और भारतीय पुरातत्व विभाग के वैज्ञानिकों ने सिन्धु घाटी सभ्यता की प्राचीनता को लेकर बता दिया है कि अंग्रेजों के अनुसार 2600 ईसा पूर्व की यह नगर सभ्यता नहीं या कुछ इतिहासकारों के अनुसार पांच हजार पांच सौ साल पुरानी नहीं है, बल्कि यह तो आठ हजार साल पुरानी सभ्यता थी। यह सिन्धु सभ्यता मिस्र और मेसोपोटामिया की सभ्यता से भी पहले की है। मिस्र की सभ्यता 7,000 ईसा पूर्व से 3,000 ईसा पूर्व तक रहने के प्रमाण हैं, जबकि मोसोपोटामिया की सभ्यता 6500 ईसा पूर्व से 3100 ईसा पूर्व तक अस्तित्व में थी, यह माना गया है। हमने देखा है कि कैसे मैक्स मूलर, विलियम हंटर और लॉर्ड टॉमस बैबिंग्टन मैकॉले ने भारत के इतिहास का विकृतिकरण किया। अंग्रेजों द्वारा लिखित इतिहास में कहा गया कि भारतीय इतिहास का आरंभ सिन्धु घाटी की सभ्यता से होता है। सिन्धु घाटी के लोग द्रविड़ थे यानी वे आर्य नहीं थे। आर्यों ने बाहर से आकर सिंधु घाटी की सभ्यता को नष्ट किया और फिर अपने राज्य को स्थापित किया। आर्यों और दस्तुओं (द्रविड़) के निरंतर संघर्ष चलते रहे। अंग्रेजों ने अपनी बात सिद्ध करने के लिए 'आर्यन इन्वेजन थ्योरी' गढ़ी। दुख इस बात का है कि उनका साथ भारत के वामपंथी इतिहासकारों ने भी दिया और उनकी हां में हां मिलाते हुए ये भी कहने लगे कि संभवतः आर्य साइबेरिया, मंगोलिया, ट्रांस कोकेशिया, स्कैंडेनेविया अथवा मध्य एशिया से भारत आए थे। इन्होंने भी बार-बार यही बताया कि सिंधु लोग द्रविड़ थे और वैदिक लोग आर्य थे। कुल मिलाकर अंग्रेजों और भारत के इन वामपंथी इतिहासकारों ने यह सिद्ध करने का प्रयास किया, जैसे इस देश में अंग्रेज आए हैं वैसे ही समय-समय पर कई जातियां बाहर से यहां आती गईं। अपनी कॉलोनियां बसाती गईं और फिर यहीं बस गईं। हर बार जो बाहर से आया उसने पहले से सत्ता पर काबिज समूह से संघर्ष किया, उसे पीछे धकेला और समस्त शक्तियां अपने हाथ में ले लीं। अर्थात् हम (अंग्रेज) जो कि बाहरी हैं कोई नए नहीं, ऐसा तो यहां भारत में सदियों से होता आ रहा है। आखिर, अंग्रेजों ने इस जूठ को क्यों गढ़ा और क्यों भारत के वामपंथी इतिहासकारों ने इसमें उनका साथ दिया ? जब इसकी गहराई में जाते हैं तो यह स्थिति भी पूरी तरह से साफ हो जाती है। वस्तुतः अंग्रेज और उनके पिछलग्गू इतिहासकार यह स्वीकार नहीं करना चाहते कि भारत की सभ्यता एवं संस्कृति विश्व की ऐसी संमृद्ध ज्ञान आधारित सबसे प्राचीनतम व्यवस्था है, जिसमें नगरीय संस्कृति की संपूर्णता समाहित है। जब ग्रीस, रोम और एथेंस का दुनिया में नामोनिशान नहीं था, तब दुनिया भर में सिन्धु घाटी की सभ्यता इकलौती विश्वस्तरीय नगरीय सभ्यता थी। वहां टाउन-प्लानिंग थी, स्वीमिंग पूल थे, भोजन की बड़ी-बड़ी रसोई थीं, बैठक के स्थान थे, कपड़े थे, चांदी और तांबें का उपयोग था। लोग शतरंज का खेल भी जानते थे और वे लोहे का उपयोग भी करते थे। यहां से प्राप्त मुहरों को सर्वोत्तम कलाकृतियों का दर्जा प्राप्त है, यानी कि इस सभ्यता में लोग कला पारखी भी थे। इस विवाद के बीच नए शोध कहते हैं कि आर्य आक्रमण भारतीय इतिहास के किसी कालखण्ड में घटित नहीं हुआ और ना ही आर्य तथा द्रविड़ नामक दो पृथक मानव नस्लों का अस्तित्व ही कभी धरती पर रहा है। डीनएनए गुणसूत्र पर आधारित शोध, जिसे कि कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. कीवीसील्ड के निर्देशन में फिनलैण्ड के तारतू विश्वविद्यालय, एस्टोनिया में भारतीयों के डीनएनए गुणसूत्र पर आधारित करते हुए किया गया, यह सिद्ध करता है कि सारे भारतवासी गुणसूत्रों के आधार पर एक ही पूर्वजों की संतानें हैं। आर्य और द्रविड़ का कोई भेद गुणसूत्रों के आधार पर नहीं मिलता है और तो और, जो आनुवांशिक गुणसूत्र भारतवासियों में पाए जाते हैं, वे डीएनए गुणसूत्र दुनिया के किसी अन्य देश में नहीं पाए गए। शोध में भारत, पाकिस्तान, बंगलादेश, श्रीलंका और नेपाल की जनसंख्या में विद्यमान लगभग सभी जातियों, उपजातियों, जनजातियों के लगभग 13000 नमूनों का परीक्षण किया गया। परिणाम यही कह रहा है कि भारतीय उपमहाद्वीप में रहने वाले चाहे वह किसी भी धर्म को मानने हों, 99 प्रतिशत समान पूर्वजों की संतानें हैं।

हिकारत से शोहरत के बीच की दुनिया

केन ब्राउन, अमेरिकी गायक व गीतकार

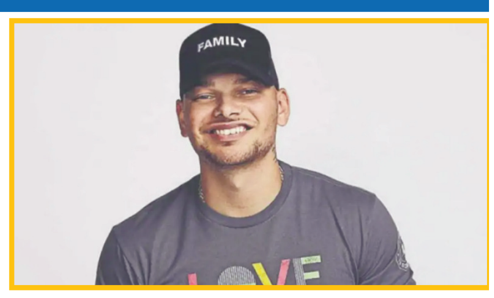

अभी वह महज 28 के हैं, और उनके लफ्जों, आवाज का जादू कुछ यूं छाया है कि प्रसिद्ध अमेरिकी पत्रिका टाइम ने उन्हें इस साल दुनिया की सौ सबसे असरदार शख्सियतों में शुमार किया है। आज वह करोड़ों लोगों के चहेते हैं, मगर अक्तूबर 1993 में टेनेसी में पैदा हुए केन एलेन ब्राउन को एक वक्त हिकारत झेलनी पड़ी थी। उपेक्षा के उस दंश से वह कुंठित तो नहीं हुए, मगर उसे कभी भूले भी नहीं। केन की मां ताबथा ब्राउन श्वेत यूरोपीय-अमेरिकी हैं, जबकि पिता अफ्रीकी-अमेरिकी मूल के। केन जब तीन साल के थे और उन्हें पिता की नजरों से दुनिया को जानना-समझना था, तब वह एक मुकदमे में सलाखों के पीछे भेज दिए गए और उनके लालन-पालन की पूरी जिम्मेदारी अकेली मां के कंधों पर आ पड़ी। वे बहुत मुश्किल भरे साल थे। ताबथा ब्राउन के पास अपना कोई स्थायी ठिकाना न था। कुछ दिन दोस्तों-रिश्तेदारों के यहां गुजरे, फिर ऐसा भी हुआ कि कहीं जाने की हिम्मत नहीं पड़ी और कई रातें मां-बेटे को कार में ही बितानी पड़ीं। बेटे को एक बेहतर जिंदगी दे सकें, उसकी अच्छी परवरिश हो सके, इसके लिए खुद्दार ताबथा को जिस भी शहर में नौकरी का अवसर मिलता, वह वहीं जा पहुंचतीं। इस वजह से केन के स्कूल बदलते रहे। वह करीब आठ साल के रहे होंगे। एक दिन किसी बात पर नाराज सहपाठी ने उन्हें एक ऐसा शब्द बोला, जो अश्वेतों के खिलाफ नस्लवादी गाली के तौर पर इस्तेमाल होता था। नन्हे केन ने इस शब्द का मतलब पता किया और जब इसके पीछे छिपी नफरत और हिकारत के बारे में उन्हें पता चला, तो वह बुरी तरह आहत हुए। बालक मन उस गाली को कुबूल करने को तैयार न था। इसलिए केन अक्सर हर उस बच्चे से उलझ पड़ते थे, जो इस शब्द का इस्तेमाल करता था। एक बार सहपाठियों ने स्कूल में केन को गाते हुए सुना, वे सब चौंक गए। केन की आवाज में बसे अथाह दर्द ने उन दोस्तों का भी दिल जीत लिया, जिन्होंने कभी उन पर नस्ली फब्तियां कसी थीं। वे केन से और गाने का अनुरोध करने लगे। किशोर केन को उसी क्षण अपनी मंजिल दिख गई थी। केन की आवाज में यह गहराई और तड़प उनकी निजी जिंदगी की दुश्वारियों से आई थी। नस्लवादी उपेक्षा की टीस, जैविक पिता के जेल में होने के एहसास और सौतेले पिता की प्रताड़ना के साथ-साथ कई दोस्तों को ड्रग्स व बंदूक-हिंसा का शिकार बनते देख केन उम्र के किशोर कालखंड में ही काफी परिपक्व हो गए थे। स्कूल के एक टैलेंट शो में मिले प्रोत्साहन से प्रेरित होकर वह म्यूजिक में करियर को लेकर बेहद संजीदा हो गए। पढ़ाई के साथ 'पार्ट टाइम जॉब' तो पश्चिमी जीवन शैली का एक सहज हिस्सा रही है, मगर केन की परेशानी सिर पर छत की थी। वह इतना नहीं कमा पाते थे कि कोई मकान किराये पर ले सकें। आखिरकार उन्हें अपनी नानी के यहां ही फिर पनाह मिली। नानी ने ही पहले भी उन्हें सौतेले पिता के कोप से बचाया था। साल 2013 में केन ने अमेरिकन आइडल और एक्स फैक्टर, दोनों के लिए ऑडिशन दिए थे। एक्स फैक्टर में उनका चयन हो भी गया, लेकिन शो के प्रोड्यूसर चाहते थे कि केन उनके 'ब्वॉय बैंड' का हिस्सा बनें, जबकि केन एकल गायक के तौर पर अपना भविष्य बनाना चाहते थे। लिहाजा, उन्होंने शो छोड़ यू-ट्यूब का सहारा लिया। अपना वीडियो बनाकर वह यू-ट्यूब पर अपलोड करने लगे। शुरू-शुरू में तो दर्शकों से कोई खास तवज्जो नहीं मिली, लेकिन जब उन्होंने ब्रैंटली गिल्बर्ट, बिली करिंगटन, एलन जैक्शन और ली ब्राइस के गीतों का सहारा लेना शुरू किया, तब उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी। केन की आवाज में जॉर्ज स्ट्रेट के गीत चेक यस और नो के वीडियो ने तो उन्हें ऑनलाइन लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचा दिया। अब उनके मौलिक गीतों की बारी थी। मार्च 2016 में केन ब्राउन ने अपना पहला मौलिक म्यूजिक वीडियो यूज्ड टु लव यू सोबर अपनी फेसबुक वॉल पर जारी किया। इस एल्बम की लोकप्रियता का आलम यह है कि अब तक नौ करोड़ से अधिक लोग इसे सुन चुके हैं। उसी साल आए चैप्टर-1 एल्बम ने भी कमाल की लोकप्रियता बटोरी। इसने अमेरिकी संगीत की दुनिया में केन को स्थापित कर दिया। बाद में आए व्हाट इफ्स गीत ने तो कई रिकॉर्ड बना डाले। करोड़ों उनके मुरीद हो गए।फोर्ब्स पत्रिका ने साल 2019 में केन को 30 साल से कम आयु वर्ग में सर्वाधिक कमाई करने वाले गायकों में पांचवें नंबर पर रखा था। लोकप्रियता और समृद्धि के शिखर पर पहुंचने के बाद भी केन ब्राउन अपनी जड़ों को कभी नहीं भूले। वह न सिर्फ अपने गीतों के जरिये रंगभेद, नस्लवाद का मुखर विरोध करते हैं, बल्कि बेघर लोगों की मदद में जुटे संगठन 'मेक रूम' को भी अपनी जेब से भरपूर आर्थिक मदद करते हैं। केन की जिंदगी का अब एक ही फलसफा है- माफ करो, मदद करो!

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

आज के कार्टून

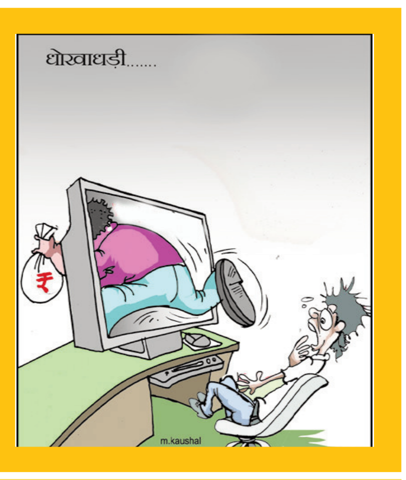

महत्त्वाकांक्षा

आचार्य रजनीश ओशो

जिंदगी में प्रत्येक व्यक्ति के भीतर, उसके व्यक्तित्व के भीतर कुछ होने की संभावना है। प्रत्येक के भीतर! और जिस दिन भी दुनिया में गैर-महत्त्वाकांक्षी समाज होंगे, उस दिन दुनिया में बहुत लोग प्रफुल्लता को उपलब्ध होंगे, आनंद को उपलब्ध होंगे, प्रसन्नता को उपलब्ध होंगे। वह जो काम..जो उनके भीतर था, जो निकलेगा और अभिव्यक्ति होगी तो वे कुछ खिलेंगे। जैसे हर फूल खिल जाता है तो एक खुशी और सुवास देने लगता है। लेकिन मनुष्य-जाति में बहुत कम फूल खिलते हैं। खिल ही नहीं सकते। महत्त्वाकांक्षा ने सारी जड़ें तोड़ डाली हैं। आप अपने बच्चों को प्रेम करते हैं तो एक कृपा करना, उनको महत्त्वाकांक्षा मत सिखाना। इससे बड़ी शत्रुता और कोई नहीं हो सकती कि कोई मां-बाप अपने बच्चों को महत्त्वाकांक्षा सिखाए क्योंकि महत्त्वाकांक्षा उनके जीवन को जहर की भांति नष्ट कर देगी और यह जहर अंतिम रूप में राजनीति में प्रकट भी हो रहा है। एक नये मनुष्य को जरूर ही पैदा होना चाहिए क्योंकि जीवन बहुत बोझिल और दुखी है। और वह नया मनुष्य किसी बिल्कुल नये आधारों पर विकसित हो सकता है। इन पुरानी परिपाटियों पर नहीं, इन लीकों पर नहीं जो अब तक चलती रही हैं। ये सारी लीकें खतरनाक हैं, और टूट जानी चाहिए, और ये सारी कड़ियां जला देने योग्य हैं। और मनुष्य का अतीत शुभ नहीं रहा है, सुंदर नहीं रहा है; लेकिन उसका भविष्य सुंदर हो सकता है। लेकिन आकस्मिक रूप से नहीं हो जाएगा यह। यह कोई नियति नहीं है कि अपने आप हो जाएगा। कोई आकाश के ऊपर से आदेश नहीं आएंगे कि अब सब ठीक हो जाएगा। हमें बहुत कुछ बदलाहट करनी होगी। मनुष्य के चित्त को जिन ईंटों से हम बनाते हैं, वे बदलनी होंगी। मनुष्य को जो हम ढांचे देते हैं, वे बदलने होंगे। और अगर एक सुंदर और स्वस्थ भविष्य लाना है तो हमें पूरी-पूरी परंपराएं फिर से विचार कर लेनी होंगी। उनमें बहुत कुछ कचरा है जो जला देने योग्य है, बहुत कुछ गलत है, बहुत कुछ बीमार है, जो नष्ट कर देने योग्य है। और जब तक इतना विद्रोह और विचार नहीं है तब तक हम इसी कोल्हू के बैल की भांति अपने बच्चों को भी पेरेंगे, उनके बच्चों को वे पेरेंगे। और दुनिया में एक अद्भुत बीमारी, महारोग चल रहा है हजारों साल से, जो शायद आगे भी चलता रहेगा। इसे तोड़ने के लिए कुछ चिंतन और विचार आवश्यक है।

सू-दोकू नवताल -1994

		7				1		4
8			9	2		7		
			4	8				3
4	5			1			3	
9								8
	6			5			9	2
5				7	6			
		1		9	4			6
7		6				8		

सू-दोकू -1993 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 1994

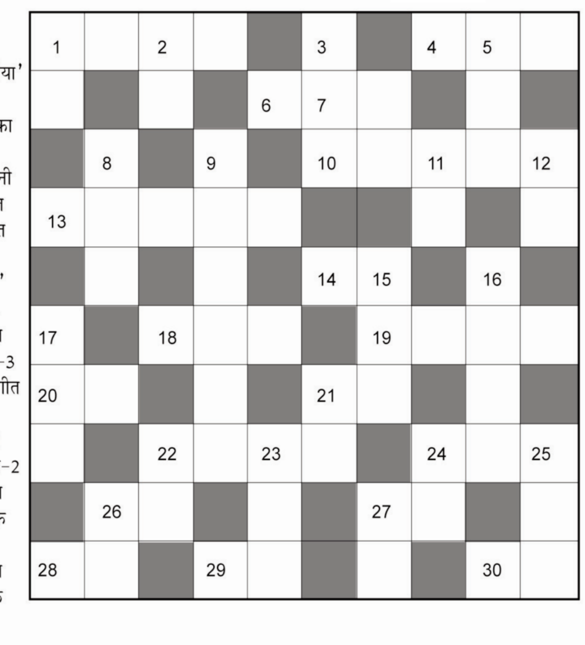

बायें से दायें:-

1. 'चलो इक बार फिर से अजनबी बन जाएं' गीत वाली सुनील दत्त, माला सिन्हा की फिल्म-4
4. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-3
6. 'पंख होते जो उड़ आती रे' गीत वाली प्रशांत और संध्या की फिल्म-6
10. अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित की 'आंखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-5
13. 'आदमी मुसाफिर है आता है जाता है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा पंडित की फिल्म-5
14. 'बम चिकी चिकी बम' गीतवाली फिल्म-2
18. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
19. गोविंदा, मनीषा की फिल्म- 4
20. 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म 'कोहराम' की नायिका कौन थी ?-2
21. मिथुन चक्रवर्ती, पद्मिनी कोल्हापुरे की 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-2
22. 'ये गलियां ये चौबारा' गीत वाली फिल्म-4
24. 'जिंदगी प्यार का गीत है' गीत वाली फिल्म-3
26. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली फिल्म-2
27. शाहिद कपूर, करीना कपूर अभिनीत फिल्म-2
28. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी अभिनीत फिल्म-2
29. 'मेरे सीने में तेरा दिल धड़के' गीत वाली फिल्म-2
30. 'सपनों का सौदागर' फिल्म की नायिका-2

ऊपर से नीचे:-

1. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-2
2. फिल्म 'बेमिसाल' में अमिताभ के साथ नायिका कौन थी ?-2
3. अक्षय कुमार, रवीना, पूनम झवेर की फिल्म-3
5. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में सनी देओल के साथ नायिका कौन थी ?-3
7. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'इतना मैं चाहूं तुझे' गीत वाली फिल्म-2
8. धर्मेन्द्र, सनी, बॉबी देओल, कैटरीना, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-3
9. 'करवटें बदलते रहे सारी रात हम' गीत वाली फिल्म-2,1,3
11. अमिताभ, वहीदा, रति अग्निहोत्री की फिल्म-2
12. फिल्म 'निकाह' के संगीतकार कौन थे-2
15. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-3
16. 'ढोल बजने लगा' गीत वाली फिल्म-4
17. 'तेरी ये बिंदिया बोले' गीतवाली फिल्म-3
21. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2
22. संजय, तब्बू की फिल्म-2
23. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-3
24. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की 'दीवाना तो कह दिया' गीतवाली फिल्म-2
25. फिल्म 'हस्ती' की नायिका कौन थी ?-3
26. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'हर एक घर में दिया' गीत वाली फिल्म-2
27. 'मैं नाचूं बिन पायल' गीतवाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1993

बा	बु	ल		आ	म	ने	सा	म	ने
बू		गा	य	ब		हा		स्ता	
	जा	न		रू	ल्स		कि	ना	रा
जा	ल		डॉ			मे	ला		म
	सा	व	न		आ	ह		रा	जा
न	ज	र		चां		बू	म		ने
या		दा	मा	द		बा	जा	र	
ज	मी	न		नी	तू		ल	की	र
मा	ना		रे		फा			ब	
ना		रे	ड		न	सी	ब		मां

विदेशी निवेशकों ने दिसंबर में अब तक भारतीय बाजारों से 17,696 करोड़ रुपए निकाले

नई दिल्ली: विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रॉन के चलते पैदा हुई अनिश्चितता और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा उम्मीद से पहले बॉन्ड खरीद बंद करने के बीच दिसंबर में अब तक भारतीय बाजारों से 17,696 करोड़ रुपए निकाले हैं। आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने 1-17 दिसंबर के बीच इक्विटी से 13,470 करोड़ रुपए, ऋण खंड से 4,066 करोड़ रुपए और हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स से 160 करोड़ रुपए निकाले। एफपीआई ने नवंबर में भारतीय बाजारों में 2,521 करोड़ रुपए की शुद्ध बिक्री की थी। मॉर्निंगस्टार इंडिया के संयुक्त निदेशक- शोध प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि वैश्विक और घरेलू दोनों मोर्चों पर अनिश्चितता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के ओमीक्रोन वेरिएंट के चलते चिंता बनी हुई है और इसने वैश्विक वृद्धि परिदृश्य को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा आर्थिक वृद्धि भी अपेक्षाकृत धीमी रही है और भारत की आय ज्यादा नहीं बढ़ी है। यदि हालात बिगड़ते हैं तो विदेशी निवेशक भारत जैसे उभरते बाजारों से अपना निवेश निकाल सकते हैं। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि चूंकि बैंकिंग में सबसे अधिक एफपीआई होल्डिंग है, इसलिए उसे एफपीआई की बिक्री का खामियाजा उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि लगातार एफपीआई बिकवाली ने उच्च गुणवत्ता वाले बैंकिंग शेयरों को मूल्यांकन के नजरिए से आकर्षक बना दिया है।

अब तक 3.7 करोड़ से अधिक इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल किए, जानिए कब है आखिरी तारीख

बिजनेस डेस्क: वित्त वर्ष 2020-21 के लिए अब तक 3.7 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए जा चुके हैं। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि करदाताओं के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की बढ़ी हुई अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। वित्त मंत्रालय ने एक ट्वीट में कहा, 'आयकर ई-फाइलिंग पोर्टल को आकलन वर्ष 2021-22 के लिए 17 दिसंबर 2021 तक 3,71,74,810 करोड़ से अधिक आईटीआर प्राप्त हुए हैं।' मंत्रालय के अनुसार इसमें आईटीआर1 (2.12 करोड़), आईटीआर2 (31.04 लाख), आईटीआर3 (35.45 लाख), आईटीएआर4 (87.66 लाख), आईटीआर5 (3.38 लाख), आईटीआर6 (1.45) लाख और आईटीआर7 (0.25 लाख) है।

देर से ITR फाइल करने के हैं कई नुकसान

अगर किसी कारण से आप 31 दिसंबर, 2021 की समय सीमा से पहले अपना आईटीआर दाखिल नहीं कर पाते हैं तो आपको जुर्माना भरना पड़ सकता है। नए लॉन्च किए गए आयकर पोर्टल पर कोरोनावायरस महामारी और गड़बड़ियों के कारण, सरकार ने **Belated ITR** दाखिल करने की नियत तारीख को भी 31 मार्च, 2022 तक बढ़ा दिया है। आपको पता होना चाहिए कि सरकार ने देर से आईटीआर दाखिल करने पर लेट फीस वसूलने की व्यवस्था की है। आयकर कानून की धारा-234 के अंतर्गत करदाता को टैक्स की राशि पर एक फीसदी की साधारण दर से हर महीने ब्याज चुकाना होगा। अगर आप सरकार द्वारा तय अंतिम तिथि के बाद आईटीआर फाइल करते हैं तो आपसे 5,000 रुपए लेट फाइलिंग फीस वसूली जाएगी।

टॉप आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.61 लाख करोड़ घटा, RIL को हुआ सबसे ज्यादा नुकसान

(एजेंसी):

शेयर बाजार में सर्वाधिक मूल्यांकन वाली शीर्ष दस कंपनियों में से आठ को पिछले हफ्ते बाजार मूल्यांकन में संयुक्त रूप से 2,61,812.14 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक कमी हुई। शीर्ष दस कंपनियों की इस सूची में सिर्फ इंफोसिस और विप्रो लाभ में रहे। पिछले हफ्ते बीएसई सेंसेक्स में 1,774.93 अंक या 3.01 फीसदी की गिरावट हुई। रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) का मूल्यांकन 79,658.02 करोड़ रुपए घटकर 15,83,118.61 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी का मूल्यांकन 34,690.09 करोड़ रुपए घटकर 4,73,922.86 करोड़ रुपए रहा। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण (एम-कैप) 33,152.42 करोड़ रुपए घटकर 4,16,594.78 करोड़ रुपए और एचडीएफसी बैंक का एम-कैप 27,298.3 करोड़ रुपए घटकर 8,16,229.89 करोड़ रुपए रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) का मूल्यांकन 24,083.31 करोड़ रुपए घटकर 5,24,052.84 करोड़ रुपए और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 24,051.83 करोड़ रुपए घटकर 4,17,448.70 करोड़ रुपए रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 20,623.35 करोड़ रुपए घटकर 5,05,547.14 करोड़ रुपए और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मूल्यांकन 18,254.82 करोड़ रुपए घटकर

13,26,923.71 करोड़ रुपए रह गया। इसके विपरीत, इंफोसिस का मूल्यांकन 26,515.92 करोड़ रुपए बढ़कर 7,66,123.04 करोड़ रुपए और विप्रो का मूल्यांकन 17,450.39 करोड़ रुपए बढ़कर 3,67,126.39 करोड़ रुपए हो गया। इन शीर्ष 10 कंपनियों की रैंकिंग में, आरआईएल सबसे आगे थी। उसके बाद टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस और फिर विप्रो थी।

टोयोटा किर्लोस्कर को 2021 में थोक बिक्री 60% से अधिक बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी):

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने उम्मीद जताई है कि चालू वर्ष में उसकी कुल थोक बिक्री में पिछले साल की तुलना में लगभग 60 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि मांग की स्थिति कोविड से पहले के स्तर पर वापस आ गई है। टीकेएम के संयुक्त महाप्रबंधक (बिक्री और रणनीतिक विपणन) वी विसेलिन सिगामनी ने बताया, ''2021 में हमें पिछले साल की वार्षिक थोक बिक्री के मुकाबले 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की उम्मीद है। ऑटो विनिर्माता ने 2020 में डीलरों को 76,111 इकाइयां बेची थीं। सिगामनी ने कहा, ''टीकेएम के ग्राहक ऑर्डर लगातार बढ़ रहे हैं और हम एक स्थिर वृद्धि देख रहे हैं। मांग के रुझान कोविड से पहले के स्तर पर वापस आ रहे हैं। क्रिस्टा और फॉर्च्यूनर अपने-अपने खंड में अच्छा कर रहे हैं और इसके बाद हमने लीजेंडर की पेशकश भी की है, जिसे ग्राहकों से काफी पसंद किया है।

2022-23 तक चार श्रम संहिताओं के लागू होने की उम्मीद, कई राज्यों ने ड्राफ्ट रूल तैयार किए

नई दिल्ली: मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, औद्योगिक संबंध और व्यवसाय सुरक्षा तथा स्वास्थ्य और काम करने की स्थिति पर चार श्रम संहिताओं को अगले वित्त वर्ष तक लागू किए जाने की संभावना है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने उक्त जानकारी देते हुए कहा कि कम से कम 13 राज्यों ने इन कानूनों के मसौदा नियमों को तैयार कर लिया है। केंद्र ने इन संहिताओं के तहत नियमों को अंतिम रूप दे दिया है और अब राज्यों को अपनी ओर से नियम बनाने हैं, क्योंकि श्रम समवर्ती सूची का विषय है। अधिकारी ने कहा कि चार श्रम संहिताओं के अगले वित्त वर्ष तक लागू होने की संभावना है। उन्होंने कहा, ''चार श्रम संहिताओं के अगले वित्त वर्ष 2022-23 में लागू होने की संभावना है, क्योंकि बड़ी संख्या में राज्यों ने इनके मसौदा नियमों को अंतिम रूप दे दिया है। केंद्र ने फरवरी 2021 में इन संहिताओं के मसौदा नियमों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया पूरी कर ली थी लेकिन चूंकि श्रम एक समवर्ती विषय है, इसलिए केंद्र चाहता है कि राज्य भी इसे एक साथ लागू करें। केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस सप्ताह की शुरुआत में राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में बताया था कि व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और काम करने की स्थिति पर श्रम संहिता के मसौदा नियमों को कम से कम 13 राज्य तैयार कर चुके हैं। इसके अलावा 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने मजदूरी पर श्रम संहिता के मसौदा नियमों को तैयार किया है। औद्योगिक संबंध संहिता के मसौदा नियमों को 20 राज्यों ने और सामाजिक सुरक्षा संहिता के मसौदा नियमों को 18 राज्यों ने तैयार कर लिया है।

महामारी के तनाव के बीच एलजी ने इनडोर गार्डनिंग एप्लायंस किया पेश

सियोल (एजेंसी)।

लंबे समय से चल रही कोविड-19 महामारी ने लोगों के घर पर अपना समय बिताने के तरीके में काफी बदलाव किया है, जो व्यायाम से लेकर काम तक हर चीज का स्थान बन गया है। एलजी स्मार्ट गार्डनिंग के लिए एक नया उपकरण एलजी तियुन पेश किया है, जिससे नौसिखिया माली को पूरे साल अपने घरों में सब्जियां, जड़ी-बूटियां, यहां तक कि फूलों की खेती करने में मदद मिलेगी। एलजी ने एक स्वचालित इनडोर गार्डनिंग उपकरण एलजी तियुन पेश किया है, जो को एक स्व-निहित इकाई के रूप में डिजाइन किया गया है और इसमें दो अलमारियां हैं जो कंपनी के अनुसार तीन अलग-अलग प्रकार के बीज किटों के साथ-साथ छह ऑल-इन-वन सीड पैकेज रख सकती हैं। प्रत्येक बीज पैकेज में बीज के अंकुरण के लिए 10 छेद होते हैं, जिससे उपयोगकर्ता लगभग चार से आठ सप्ताह में एक साथ विभिन्न प्रकार के साग उगा सकते हैं। लेटेस्ट घरेलू उपकरण के लिए उपयोग की जाने वाली बागवानी तकनीक, कंपनी ने कहा, तकनीकी कंपनी की उन्नत रेफ्रिजरेटर, जल शोधक और वेंटिलेशन सिस्टम विकसित करने प्रतीक है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रौद्योगिकियां तापमान, नमी और प्रकाश की आदर्श मात्रा के संदर्भ में पौधों की जैविक वृद्धि के लिए अनुकूलतम परिस्थितियों को सक्षम बनाती हैं। कंपनी के होम अप्लायंसेज और एयर सॉल्यूशन डिवीजन के अध्यक्ष ल्यू जे-चिओल ने कहा, एलजी टीआईयूएन व्यस्त उपभोक्ताओं के लिए एक व्यावहारिक और सुविधाजनक समाधान है, जो घर पर एक हरियाली, स्वस्थ जीवन शैली का आनंद लेना चाहते हैं। किसी के घर या अपार्टमेंट के लिए एक स्टाइलिश, स्मार्ट बागवानी प्रणाली बढ़ती जड़ी-बूटियों, पत्तेदार साग और फूलों को मजेदार और सरल बनाती है, यहां तक कि हममें से उन लोगों के लिए भी जिनके पास शून्य बागवानी अनुभव है। कंपनी ने लास वेगास में पिछले साल के कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो (सीईएस) के दौरान पहली बार रेफ्रिजरेटर के आकार के इनडोर सब्जी कल्टीवेटर का प्रदर्शन किया। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी ने उस समय एक प्लांट कल्टीवेटर प्रोटोटाइप, बेस्पोक प्लांट का भी अनावरण किया, लेकिन यह अभी तक बड़े पैमाने पर बाजार में नहीं आया है।

CII SURVEY: देश की आर्थिक विकास दर 10 फीसदी रहने का अनुमान, ओमीक्रॉन का खतरा बरकरार

(एजेंसी):

देश के अधिकांश मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) ने चालू वित्त वर्ष में आर्थिक विकास दर के 10 फीसदी तक रहने का अनुमान जताया है जबकि 10 फीसदी ने तो इसके दहाई अंक में रहने की उम्मीद जताई है। चीन से आयात में भारी कमी आने के साथ ही कोरोना के नए वेरिएंट ओमीक्रॉन से आर्थिक गतिविधियों के प्रभावित होने की भी बात कही गई है। उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा सीआईआई नेशनल काउंसिल के सदस्यों के बीच किए गए सर्वेक्षण में यह कहा गया है। इस काउंसिल में कंपनियों में सीईओ सदस्य होते हैं। सर्वेक्षण में शामिल 56 प्रतिशत सीईओ ने चालू वित्त वर्ष में विकास दर के 9 से 10 फीसदी तक रहने का अनुमान लगाया है जबकि 10 प्रतिशत ने तो इसके 10 फीसदी के पार पहुंचने की बात कही है। लद्दाख में चीनी सेना के साथ भारतीय सैनिकों की झड़प के बाद इस पड़ोसी देश के साथ कई प्रकार के आयात को सीमित किए जाने का असर अब भी दिख रहा है क्योंकि इस सर्वे में शामिल 73 फीसदी सीईओ ने चीन से 10 फीसदी से भी कम आयात की बात कही है जबकि इसमें 22 फीसदी ने कहा कि चीन से उनका आयात 10 से 25 फीसदी के बीच में है। कोरोना के नए वेरिएंट ओमीक्रॉन से आर्थिक गतिविधियों के प्रभावित होने के बारे में पूछे जाने पर इसमें शामिल 55 प्रतिशत से कहा कि इससे सेवा क्षेत्र पर बहुत ही बुरा असर पड़ सकता है जबकि 34 फीसदी ने कहा कि विनिर्माण गतिविधियों भी प्रभावित हो सकती है। सर्वे में शामिल सीईओ में से 35 फीसदी ने चालू वित्त वर्ष में राजस्व में कोविड से पहले के वर्ष 2019-20 की तुलना में 10 से 20 फीसदी की बढ़ोतरी की संभावना जताई है जबकि 33 फीसदी ने तो इसमें 20 फीसदी से भी अधिक की बात कही है। इसमें शामिल 35 प्रतिशत सीईओ ने सकल लाभ के भी चालू वित्त वर्ष में कोरोना से पहले के वित्त वर्ष की तुलना में 20 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी की उम्मीद जताई है जबकि 17 प्रतिशत ने इसके 10 से 20 फीसदी के बीच रहने की बात कही है। करीब 70 फीसदी सीईओ ने आपूर्ति की बाधाओं के बावजूद विभिन्न पैरा मीटरों को लेकर आशावान दिखे हैं। कारोबारी गतिविधियों के बारे में पूछे जाने पर 59 प्रतिशत सीईओ का कहना था कि वर्तमान में उनकी कंपनियां 70 से 100 प्रतिशत के दायरे में अपनी क्षमता का उपयोग कर रही है जबकि 18 फीसदी ने कहा कि उनकी कंपनियां शत प्रतिशत से अधिक क्षमता का उपयोग कर रह है। पूंजी निवेश को लेकर कंपनियां आशावादी दिख रही है क्योंकि इस सर्वे में शामिल 62 प्रतिशत सीईओ ने अगले वित्त वर्ष में 500 करोड़ रुपए तक पूंजीगत व्यय की बात कही है। इसमें शामिल 71 प्रतिशत ने कहा कि पिछले वर्ष में उनकी कंपनियों ने देश विदेश से कहीं से भी पूंजी नहीं जुटाई है जबकि 18 फीसदी ने ऋण लेने और 11 फीसदी ने भारत के साथ ही वैश्विक बाजार से ईक्विटी पूंजी जुटाने की बात कही है। निर्यात के बारे में पूछे जाने पर इसमें शामिल सीईओ में से 35 फीसदी ने कहा कि

कोरोना से पहले के वर्ष 2019-20 की तुलना में चालू वित्त वर्ष में इसमें 20 फीसदी तक की बढ़ोतरी की उम्मीद है जबकि 24 प्रतिशत ने इसके लगभग समान रहने की बात कही। हालांकि 10 फीसदी ऐसे भी सीईओ हैं जिन्होंने अपने निर्यात में कोरोना से पहले की तुलना में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद जताई है। इसमें शामिल 36 प्रतिशत का कहना है कि पूर्व और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में उनके निर्यात में तीव्रता बढ़ोतरी हो रही जबकि 22 फीसदी ने कहा कि उनके निर्यात में उत्तर अमेरिका की भागीदारी बढ़ी है। हालांकि 20 प्रतिशत ने कहा कि निर्यात बढ़ाने में यूरोप की महत्ती भागीदारी है। सीआईआई के अध्यक्ष टी वी नरेन्द्रन ने इस रिपोर्ट पर कहा कि लोक कार्यों पर सरकार के अधिक जोर देने के साथ ही समय पर तरलता को बढ़ाने के उपायों के साथ ही उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं ने आर्थिक गतिविधियों को लेकर अधिक आशावादी बना दिया है।

इंडिगो मालवाहक विमानों के संचालन को लेकर गंभीर: सीसीओ

नई दिल्ली (एजेंसी):

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो का पहला मालवाहक विमान ए321सीईओ वर्ष 2022 की पहली छमाही में निर्धारित समय पर आने वाला है। इंडिगो के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी (सीसीओ) विलियम बाउल्टर ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस मालवाहक विमान के आने से सबको पता चलेगा कि एयरलाइन मालढुलाई के अपने कारोबार विस्तार को लेकर गंभीर है। इंडिगो ने गत 21 अप्रैल को चार ए321सीईओ मालवाहक विमानों को किराए पर लेने की योजना के बारे में बताया था। इस श्रेणी के हरेक विमान में 27 टन माल ले जाने की क्षमता है। उन्होंने कहा, ''पहला मालवाहक विमान अभी सिंगापुर टेक्नोलॉजिज इंजीनियरिंग लिमिटेड के पास गया है क्योंकि उसे यात्री विमान से मालवाहक विमान में तब्दील किया जा रहा है। यह अगले साल की पहली छमाही में कभी भी हमें मिल जाएगा। बाउल्टर ने कहा कि वह भारत और चीन के बीच मालवाहक उड़ानों के लिए असीम संभावनाएं देखते हैं। उन्होंने कहा कि जाहिर तौर पर अब महामारी के बाद चीन के साथ यात्री यातायात के लिए सीमाएं बंद हैं लेकिन सामान लाने-ले जाने के बाजार में असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि इंडिगो अभी अपना 'फ्रीक्वेंट फ्लायर प्रोग्राम' शुरू करने पर विचार नहीं कर रही है और वह पूरी तरह से बैंकों के साथ दो या उससे अधिक ब्रांड नामों के साथ चलाई जा रही व्यवस्थाओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 'फ्रीक्वेंट फ्लायर प्रोग्राम' से यात्री को एयरलाइन की टिकटों की बुकिंग कराते समय रिवार्ड अंक हासिल होते हैं। वह उन अंकों का इस्तेमाल उसी एयरलाइन की टिकटों को खरीदने या साझेदार कंपनियों की सेवाओं को खरीदने में कर सकते हैं। अभी इंडिगो एयरलाइन भारत के 71 शहरों में अपनी सेवाओं का संचालन कर रही है और प्रत्येक जगह सामान लाने-ले जाने की सुविधा है।

बजट पूर्व चर्चा बैठक से नाखुश व्यापार संघों ने एक और बैठक की मांग की

(एजेंसी):

केंद्रीय व्यापर संघों (सीटीयू) ने आगामी बजट से पहले उनके साथ उचित बैठक नहीं करने पर वित्त मंत्रालय से कड़ी आपत्ति जताई है। व्यापार संघों ने बैठक में केंद्रीय वित्त मंत्री की अनुपस्थिति पर एतराज जताते हुए ज्यादा समय के लिए प्रत्यक्ष तरीके से आगे एक और बैठक आयोजित करने की मांग की है। बजट से पहले ऑनलाइन माध्यम से शनिवार को आयोजित की गई परामर्श बैठक एक घंटे 15 मिनट तक चली और इसकी अध्यक्षता वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने की। व्यापार संघों ने इस बैठक को केंद्रीय व्यापार संघों (सीटीयू) का 'अपमान' बताये हुए इसे 'मंत्रालय द्वारा किया गया एक मजाक करार दिया।' सीटीयू ने इसके अलावा उनके साथ विचार-विमर्श में उद्योग प्रतिनिधियों की उपस्थिति पर भी कड़ी आपत्ति जताई है। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के महासचिव विनय कुमार सिन्हा ने कहा, ''केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को व्यापार संघों के साथ बजट पूर्व चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया था। हम निराश हैं कि आज वह इस बैठक में शामिल नहीं हुईं।'' उन्होंने कहा, ''इस बैठक में केवल राज्य मंत्री और वित्त मंत्रालय के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग

महासंघ (फिक्की) समेत कुछ अन्य संगठनों ने भी भाग लिया।'' विनय कुमार ने कहा कि यह बजट पूर्व इस तरह की पहली ऐसी बैठक थी जिसे केंद्रीय वित्त मंत्री की मौजूदगी के बिना आयोजित किया गया।

एलआईसी का आईपीओ वर्ष 2021-22 में ही आने की संभावना कम

नई दिल्ली (एजेंसी):

सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन में उम्मीद से ज्यादा वक्त लगने से इसका आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) चालू वित्त वर्ष में आने की संभावना कम ही दिख रही है। आईपीओ लाने की तैयारियों से जुड़े एक मर्चेंट बैंकर के वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि इस विशाल सार्वजनिक कंपनी के मूल्यांकन का काम अभी पूरा नहीं हुआ है और इसमें अभी कुछ और वक्त लग सकता है। मूल्यांकन का काम पूरा हो जाने के बाद भी निर्गम से संबंधित कई नियामकीय प्रक्रियाओं को पूरा करने में वक्त लगेगा। अधिकारी ने कहा कि आईपीओ लाने के पहले बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की पूर्व-अनुमति लेनी होगी। इसके अलावा बीमा क्षेत्र की नियामक संस्था भारतीय बीमा नियमन एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) से भी इसकी अनुमति लेनी होगी। आईआरडीएआई के प्रमुख का पद करीब सात महीने से खाली पड़ा है। इस अधिकारी के मुताबिक, इस तरह की स्थिति में एलआईसी का आईपीओ वित्त वर्ष 2021-22 में ही आने की संभावना बहुत ही कम दिख रही है। इस वित्त वर्ष

में अब सिर्फ तीन महीने ही रह गए हैं। एलआईसी का मूल्यांकन अपने आप में बेहद जटिल प्रक्रिया है। इसकी वजह यह है कि एलआईसी का आकार बेहद बड़ा और इसकी उत्पाद संरचना भी मिली-जुली है। इसके पास रियल एस्टेट परिसंपत्तियां हैं और कई अनुषंगी इकाइयां भी हैं। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि मूल्यांकन का काम पूरा नहीं होने तक शेयर बिक्री का आकार भी नहीं तय किया जा सकता है। सरकार चालू वित्त वर्ष में ही एलआईसी का आईपीओ लाने की कोशिश में लगी हुई है। दरअसल इस वित्त वर्ष के विनिवेश लक्ष्य 1.75 लाख करोड़ रुपए को हासिल करने में यह आईपीओ बहुत अहम भूमिका निभा सकता है। इसके अलावा सरकार को बीपीसीएल की रणनीतिक बिक्री से भी बहुत उम्मीद है। हाल ही में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि सरकार विनिवेश की दिशा में अच्छी तरह बढ़ रही है। उन्होंने कहा था कि नौकरशाही एवं विभिन्न विभागों की कमियों को दुरूस्त करने में समय लगता है लेकिन सरकार इसे तेज करने की कोशिश कर रही है।

6 करोड़ ग्रामीण छात्रों को डिजिटल दक्ष बनाने के लिए CSC का इन्फोसिस से गठजोड़

नई दिल्ली (एजेंसी):

देश के ग्रामीण क्षेत्रों में 10-22 वर्ष की उम्र के करीब छह करोड़ छात्रों को डिजिटल दक्ष बनाने के लिए कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) ने इन्फोसिस के साथ गठजोड़ किया है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत गठित सीएससी ई-गवर्नंस सर्विसेज इंडिया ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों को डिजिटल दक्ष बनाने के लिए अभियान चलाएगी। इसके लिए देश की अग्रणी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस के साथ करार किया गया है। सीएससी और इन्फोसिस गांवों एवं कस्बों के किशोरों एवं युवाओं को डिजिटल प्रौद्योगिकी से दक्ष करने के लिए मिलकर काम करेंगे। इन्फोसिस के कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगारपरकता बढ़ाने वाले डिजिटल मंच इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड के जरिये इस पहल को अंजाम दिया जाएगा। इससे ग्रामीण युवाओं के भीतर रोजगारपरक एवं पेशेवर कौशल के विकास में मदद मिलेगी। सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया के प्रबंध निदेशक दिनेश के त्यागी ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान का हिस्सा है। उन्होंने कहा, इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड से युवा आबादी के बीच डिजिटस खाई को पाटने में मदद मिलेगी और सीएससी के जरिए समावेशी शिक्षा का लक्ष्य भी पूरा होगा। इस मौके पर इन्फोसिस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रमुख तिरुमला आरोही ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को डिजिटल साक्षर बनाकर ही सही मायने में डिजिटल इंडिया बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा, सीएससी के साथ साझेदारी से वंचित इलाकों के करोड़ों छात्रों को सार्थक अवसर मुहैया कराने में मदद मिलेगी।

जेनीफिर ब्रेडी आस्ट्रेलियाई ओपन से हटीं

मेलबर्न । जेनीफेर ब्रेडी चोट के कारण अगले महीने होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन और दो अभ्यास टूर्नामेंट से हटने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गई हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के अधिकारियों ने पुष्टि की कि 2021 में फाइनल में जगह बनाने वाली ब्रेडी बाएं पैर में चोट के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। अधिकारियों ने ट्वीट किया, 'आपके चोट से जल्द उबरने की कामना करते हैं जेन।' अमरीका की दुनिया की 25वें नंबर की खिलाड़ी ब्रेडी ने पिछले साल मेलबर्न पार्क में अपने करियर में पहली बार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी जहां उन्हें जापान की नाओमी ओसाका के खिलाफ सीधे सेट में हार का सामना करना पड़ा था। इससे पहले दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी कैरोलिना प्लिसकोवा, कनाडा की बियांका आंद्रेस्कू, 23 बार की ग्रैंडस्लैम विजेता सेरेना विलियम्स भी विभिन्न कारणों से आस्ट्रेलियाई ओपन से हटने की घोषणा कर चुके हैं। पुरुष वर्ग में छह बार के चैंपियन रोजर फेडरर भी घुटने की सर्जरी से उबरने की प्रक्रिया से गुजरने के कारण नहीं खेल पाएंगे। ऑस्ट्रेलियाई ओपन 17 जनवरी से शुरू होगा।

साउथ अफ्रीका में भारतीय टीम का पहला पूर्ण अभ्यास, द्रविड़ ने टीम को दिए कोचिंग के गुण

सेंचुरियन (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम का पहला पूर्ण ट्रेनिंग सेशन शुरू हो चुका है। सुपरस्पोर्ट पार्क में कप्तान विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम को मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कोचिंग के गुण सिखाएभारत यहां 26 दिसंबर से शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में मेजबान दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा, जिससे यहां सबसे लंबे प्रारूप में टीम को अपनी पहली सीरीज जीत हासिल करने की उम्मीद होगी। लेकिन अभ्यास मैच नहीं होने के कारण टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों को जल्द पिचों के साथ अच्छा तालमेल करना होगा। रविवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें मैदान पर कोच द्रविड़, कप्तान कोहली और स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को देखा गया। यह टीम का पूर्ण ट्रेनिंग सत्र था, जहां उन्होंने मैदान में उतरने से पहले जॉगिंग और स्ट्रेचिंग का अभ्यास किया। वहां कोच द्रविड़ द्वारा कोली को बल्लेबाजी के टिप्स देते हुए देखा गया, जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए आराम करने के बाद टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए तैयार हैं। मोहम्मद शमी, अश्विन और अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने भी नेट्स पर गेंदबाजी की। वीडियो पोस्ट करते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने ट्वीट किया, टेस्ट-मैच के लिए भारतीय टीम तैयार। शनिवार को बीसीसीआई ने खिलाड़ियों का आसान वर्क आउट करने का वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें फुट वॉली का खेल भी शामिल था। भारत के स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई ने इस बात पर जोर दिया था कि, मुंबई में खिलाड़ियों द्वारा तीन दिन के क्वारंटीन के बाद मैच का कठीन अभ्यास एक जोखिम भरा साबित हो सकता था, यही वजह है कि टीम ने शुक्रवार शाम को आसान अभ्यास किया। देसाई ने यह भी कहा कि भारतीय टीम जोहान्सबर्ग में 10 घंटे की यात्रा और साउथ अफ्रीका में क्वारंटीन के बाद खिलाड़ियों को अपनी फिटनेस पर ध्यान देने के लिए आसान अभ्यास कराए गए। इससे पहले मुंबई में भी वे मैच खत्म होने के बाद तीन दिनों के लिए क्वारंटीन में थे।

भारत ने एशियाई चैम्पियंस ट्राफी में जापान को 6-0 से रौंदा

ढाका (एजेंसी)।

गत चैम्पियन भारत ने रविवार को यहां एशियाई चैम्पियंस ट्राफी (एसीटी) पुरूष हॉकी टूर्नामेंट में जापान को 6-0 से रौंद दिया। इससे भारतीय टीम को राउंड रॉबिन चरण के एक भी मैच में हार का सामना नहीं करना पड़ा। हरमनप्रीत सिंह (10वें और 53वें मिनट) ने दो गोल दागे जबकि दिलप्रीत सिंह (23वें), जरमनप्रीत सिंह (34वें), सुमित (46वें) और शमशेर सिंह (54वें) ने भी मौलाना भसानी हॉकी स्टेडियम में स्कोरशीट में अपने नाम दर्ज कराए। भारत पहले ही सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर चुका है। पांच देशों के टूर्नामेंट के राउंड रॉबिन चरण के अंत में भारत 10 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है जिसके बाद कोरिया (छह), जापान (पांच), पाकिस्तान (दो) और मेजबान बांग्लादेश (शून्य) हैं। यह भारत की लगातार तीसरी जीत है। टूर्नामेंट के शुरूआती मैच में कोरिया ने भारत को ड्रा पर रोक दिया था। मनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम ने बांग्लादेश को 9-0 से रौंदकर चीजें बदल दीं जिसके बाद उसने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को भी हराया और फिर जापान को भी शिकस्त दी। भारत के मनोबल में इस दबदबे भरी जीत से काफी बढ़ोतरी होगी और टीम टूर्नामेंट के अंत में आत्मविश्वास से भरी होगी। भारतीय टीम ने एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टीम जापान को सभी विभागों में पूरी तरह चित्त कर दिया।

मार्क वॉ और वॉन ने वुड्स जूनियर की प्रशंसा की

फ्लोरिडा।

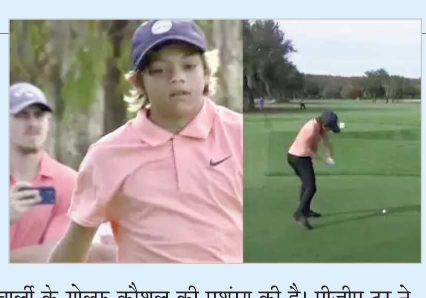

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मार्क वॉ और उनके इंग्लैंड समकक्ष माइकल वॉन ने रविवार को टाइगर वुड्स के 12 वर्षीय बेटे चार्ली के गोल्फ कौशल की प्रशंसा की है। पीजीए टूर ने 15 बार के मेजर चैंपियन टाइगर वुड्स के बेटे चार्ली का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्हें जबरदस्त टी शॉट खेलते देखा जा सकता है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसे देखकर मार्क वॉ और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान वॉन ने युवा खिलाड़ी के कौशल की सराहना की। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज वॉ ने ट्वीट किया, यह कहना उचित होगा कि वह वीडियो में अपने पिता टाइगर वुड्स से बेहतर खेलते नजर आ रहे हैं। एडिलेड में चल रहे दूसरे एशेज टेस्ट को देखने के दौरान, वॉन ने गोल्फिंग क्लब के साथ चार्ली के कौशल की सराहना करते हुए ट्वीट किया, मुझे यह वीडियो पसंद आया। इस साल फरवरी में एक कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए टाइगर वुड्स ने फ्लोरिडा के ऑरलैंडो में चल रही पीएनसी चैंपियनशिप में अपने बेटे चार्ली के साथ शिरकत की है। टीम वुड्स ने पहले दौर को तीन शॉट की बढ़त के माध्यम से 10 अंडर पर समाप्त कर दिया।

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2022 के लिए भारतीय टीम की घोषणा, इन खिलाड़ियों को मिली जगह

(एजेंसी)।

अखिल भारतीय जूनियर चयन समिति ने 14 जनवरी से 5 फरवरी 2022 तक वेस्टइंडीज में खेले जाने वाले आगामी आईसीसी अंडर 19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। चयन समिति ने 17 खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है और यश ढुल को कप्तानी सौंपी गई है जबकि एसके रशीद को उप-कप्तान बनाया गया है। इसी के साथ ही पांच खिलाड़ियों को स्टेंड बाय के तौर पर चुना गया है। टूर्नामेंट के 14वें संस्करण में 16 टीमें 48 मैचों में ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। भारत 2000, 2008, 2012 और 2018 में 4 बार खिताब जीतने वाली सबसे सफल टीम है। भारत 2016 में और न्यूजीलैंड में 2020 में आयोजित टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में भी उपविजेता रहा है। प्रारूप में चार समूहों में से प्रत्येक से शीर्ष दो टीमें सुपर लीग में आगे बढ़ेंगी, जबकि शेष टीमें 23 दिनों की प्रतियोगिता में प्लेट में शामिल होंगी। भारत को अंडर-19 ग्रुप बी में रखा गया है।

अंडर-19 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

यश ढुल (कप्तान), हरनूर सिंह, अंगक्रिश रघुवंशी, एसके राशिद (उप-कप्तान), निशांत सिंधु, सिद्धार्थ यादव, अनीश्वर गौतम, दिनेश बाना (विकेटकीपर), आराध्य यादव (विकेटकीपर), राज अंगद बावा, मानव पारख, कौशल तांबे , आरएस हैंगरगेकर, वासु वत्स, विक्की ओस्तवाल, रवि कुमार, गर्व सांगवान

स्टैंडबॉय खिलाड़ी

- रिषित रेड्डी
- उदय सहारन
- अंश गोसाई
- अमृत राज उपाध्याय
- पीएम सिंह राठौर

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2022 में भारत के मुकाबले

- 15 जनवरी - दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्रोविडेंस स्टेडियम, गुयाना में शाम 7:30 बजे
- 19 जनवरी - आयरलैंड के खिलाफ ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी, त्रिनिदाद और टोबैगो में शाम 7.30 बजे
- 22 जनवरी - युगांडा, ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी, त्रिनिदाद और टोबैगो में शाम 7.30 बजे

संक्षिप्त समाचार

आईएसएल 2021-22 : एफसी गोवा और हैदराबाद एफसी के बीच बेनतीजा रहा मुकाबला

गोवा। एफसी गोवा ने शनिवार को यहां एथलेटिक स्टेडियम में 2021-22 के इंडियन सुपर लीग मैच में हैदराबाद एफसी के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला। इससे पहले ओडिशा एफसी पर चेन्नईयिन एफसी ने 2-1 से जीत दर्ज की है। जोएल चियानिस ने सीजन का अपना पहला गोल किया, जिससे हैदराबाद एफसी को एक शानदार हेडर के साथ बढ़त मिली, लेकिन एयरन कैबरेरा ने भी अपने गोल के साथ गोवा एफसी को बराबरा ला दिया, जहां हैदराबाद और गोवा एफसी का मैच ड्रॉ हो गया। मैच की शुरुआत शानदार तरीके से हुई, दोनों टीमों के खिलाड़ी फार्म में थे। टेबल प्वाइंट में गोवा इस समय सातवें नंबर पर है। टीम ने पिछले पांच मैचों में दो में हार के साथ एक ड्रॉ मैच खेला और दो में जीत हासिल की। वहीं, हैदराबाद एफसी इस समय दूसरे नंबर पर है। पिछले पांच मुकाबलों के दौरान टीम ने दो ड्रॉ के साथ तीन मैचों में जीत हासिल की है। वहीं, ओडिशा एफसी पर 2-1 से चेन्नईयिन एफसी ने आसान जीत हासिल की है। टेबल प्वाइंट में ओडिशा एफसी पांचवे नंबर पर है। पिछले पांच मुकाबलों के दौरान टीम ने तीन हार के साथ दो मैच जीते हैं। वहीं, चेन्नईयिन एफसी इस समय चौथे स्थान पर है। पिछले पांच मुकाबलों में टीम ने एक हार, दो ड्रॉ और दो जीत हासिल की है। हैदराबाद एफसी का सामना अब गुरुवार को एथलेटिक स्टेडियम में एससी ईस्ट बंगाल से होगा जबकि एफसी गोवा का सामना शुक्रवार को तिलक मैदान स्टेडियम में ओडिशा एफसी से होगा।

क्रिकेट वेस्टइंडीज अपनी चयन समीति में करेगा महत्वपूर्ण बदलाव

सेंट जॉन्स। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) अपनी चयन समीति में बदलाव करने जा रहा है। बोर्ड ने शनिवार को घोषणा की है कि पैनल में कुछ नए अधिकारियों की भर्ती की जाएगी।इस घोषणा से मुख्य चयनकर्ता रोजर हार्पर और उनके सहयोगी माइल्स बसकोम्बे का कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो जाएगा। सीडब्ल्यूआई ने यह भी कहा कि जब तक उन्हें नए चयनकर्ता नहीं मिल जाते, तब तक एक अंतरिम चयन पैनल का गठन किया गया है। सीडब्ल्यूआई ने एक बयान में कहा, एक चयन पैनल की स्थापना की गई है, जिसमें मुख्य कोच फिल सिमंस के साथ-साथ संबंधित सदस्य शामिल हैं। सीडब्ल्यूआई के क्रिकेट निदेशक जिमी एडम्स इस प्रक्रिया की देखरेख करेंगे। वेस्टइंडीज टीम के लिए पिछले कुछ महीने अच्छे रहे हैं। लेकिन, हाल ही में पाकिस्तान से बुरी तरह से सीरीज हार गए थे जिसमें उन्होंने एक भी मैच नहीं जीते थे। साथ ही टी20 विश्वकप के नॉकआउट तक पहुंचने में टीम विफल रही थी। जिमी एडम्स ने कहा हम सीनियर चयन पैनल के सदस्य के रूप में पिछले दो वर्षों में वेस्टइंडीज क्रिकेट को उनके काम और समर्पित सेवाओं के लिए रोजर और माइल्स को धन्यवाद देना चाहते हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए वेस्टइंडीज की टीमों का चयन करना एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण काम है।

हार के बाद बोले लक्ष्य सेन- विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक से संतुष्ट नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

युवा बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन अपनी पहली विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक से संतुष्ट नहीं है और उन्होंने अगली बार इस टूर्नामेंट में स्वर्ण जीतने का वादा करने के साथ ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने का भरोसा दिया। अल्मोड़ा के 20 साल के इस खिलाड़ी को शनिवार को हमवतन अनुभवी किदांबी श्रीकांत से बेहद करीबी सेमीफाइनल में 17-21, 21-14, 21-17 से हार का सामना करना पड़ा। निर्णायक गेम में एक समय 15-13 की बढ़त हासिल करने वाले लक्ष्य ने कहा कि यह एक लंबा टूर्नामेंट रहा है और जब आप इतने करीब होते हैं तो इस तरह की हार को पचा पाना मुश्किल होता है। मुझे कांस्य मिला, लेकिन मैं खुश नहीं हूं। मैं सेमीफाइनल में अपने प्रदर्शन से बहुत संतुष्ट नहीं हूं। मैंने बहुत सारे अच्छे मैच खेले, कुछ कड़े विरोधियों का सामना किया है, सेमीफाइनल में भी यह एक करीबी मुकाबला था, यह किसी के पक्ष में जा सकता था। यह पदक इससे आगे बढ़ने का हौसला देगा। अगली बार मैं स्वर्ण का प्रयास करूंगा। इस पदक के साथ लक्ष्य अपने गुरु और महान खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण (1983 में कांस्य) और बी साई प्रणीत (2019 में कांस्य) की श्रेणी में शामिल हो गए जिन्होंने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत के लिए पदक जीते है। लक्ष्य ने कहा कि यह अच्छी बात है कि मैंने अपनी पहली विश्व चैंपियनशिप में सेमीफाइनल में जगह बनाई और प्रकाश सर के साथ मेरा नाम जुड़ गया, लेकिन मैं उनके जैसे कई और पदक जीतने की उम्मीद कर रहा हूं। खासकर मैं उनकी तरह ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप जीतना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि कांस्य पदक मेरे आत्मविश्वास को बहुत ज्यादा बढ़ाएगा।

यह भविष्य के टूर्नामेंट के लिए एक मजबूत कदम है। सेमीफाइनल से पहले लक्ष्य ने कुछ कठिन मैच खेले, जिसमें तीन में से दो मुकाबले तीन गेम तक चले। इसमें चीन के झाओ जून पेंग के खिलाफ करीबी क्वार्टर फाइनल मुकाबला भी शामिल था।

विजय हजारे ट्रॉफी : राजस्थान को हराकर कर्नाटक क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

जयपुर (एजेंसी):

युवा तेज गेंदबाज विजयकुमार वी. (22 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कृष्णमूर्ति सिद्धार्थ की नाबाद 85 रन की पारी के दम पर कर्नाटक ने रविवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी राष्ट्रीय एकदिवसीय टूर्नामेंट के प्री-क्वार्टर फाइनल में राजस्थान को आठ विकेट से मात दी। अब क्वार्टरफाइनल में कर्नाटक का सामना तमिलनाडु से होगा। राजस्थान की टीम अपने घरेलू मैदान का फायदा उठाने में नाकाम रही और कप्तान दीपक हुड्डा की 109 रन की पारी के बावजूद 41.4 ओवर में 199 रन पर ऑल आउट हो गई। कर्नाटक ने 43.4 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। कर्नाटक ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और आठवें ओवर में 19 रन पर राजस्थान की आधी टीम को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद हुड्डा और समर्पित जोशी (33) ने छठे विकेट के लिए 118 रन की साझेदारी कर टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला। हुड्डा ने 109 गेंद की पारी में नौ चौके और पांच छक्के जड़े। वह 41वें ओवर में प्रवीण दुबे की गेंद पर आउट हुए। कर्नाटक के लिए विजयकुमार ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 22 रन देकर चार विकेट लिए। कृष्णप्पा गौतम को दो जबकि प्रसिद्ध कृष्णा, दूबे, एम वेंकटेश को एक-एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रतिभाशाली सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल 24 गेंद में सिर्फ चार रन बना कर कमलेश नागरकोटी (27 रन पर एक विकेट) की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद कप्तान रविकुमार समर्थ (54) और सिद्धार्थ ने दूसरे विकेट के लिए 75 रन की साझेदारी कर टीम राह आसन कर दी। समर्थ के आउट होने के बाद सिद्धार्थ और अनुभवी मनीष पांडे (नाबाद 52) ने 38 गेंद शेष रहते टीम को लक्ष्य के पार पहुंचा दिया। सिद्धार्थ ने 120 गेंद की नाबाद पारी में छह चौके जड़े तो वही पांडे ने 53 गेंद की नाबाद पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया।

ब्राजील के पूर्व महान फुटबॉलर रोनाल्डो दूसरे स्तर के क्लब में हिस्सेदारी खरीदेंगे

रियो डी जेनेरियो । ब्राजील के पूर्व महान फुटबॉल खिलाड़ी रोनाल्डो ने कहा कि वह अपने पुराने क्लब क्रुजेरियो के बहुलांश शेयरधारक बनेंगे। दो बार के विश्व कप विजेता 45 वर्षीय रोनाल्डो और क्लब के अध्यक्ष सर्जियो सैंटोस रोड्रिग्स ने शनिवार को सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि क्लब को खरीदने के लिए सैद्धांतिक रूप से एक समझौता हुआ था। रोनाल्डो ने अपने पेशेवर करियर की शुरुआत बेलो होरिजोंटे में स्थित क्लब क्रुजेइरो में की थी। उन्होंने 1993 और 1994 में इस टीम का प्रतिनिधित्व किया था। रोनाल्डो ने सैंटोस के साथ जारी वीडियो में कहा, 'मैं खुश हूं। क्रुजेइरो जिस जगह का हकदार है, उस जगह पर ले जाने के लिए हमें काफी मेहनत करनी होगी।' इस सौदे का हालांकि विवरण जारी नहीं किया गया है।

इंडिया सीनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप: सेमीफाइलन में भिड़ेंगी चार टीमें

पुणे (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश हॉकी, हॉकी कर्नाटक, हॉकी महाराष्ट्र और हॉकी पंजाब सोमवार को यहां हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगी। पहले सेमीफाइनल में उत्तर प्रदेश हॉकी का मुकाबला हॉकी कर्नाटक से होगा। दोनों टीमें टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। उत्तर प्रदेश हॉकी ने शनिवार को क्वार्टर फाइनल में हॉकी हरियाणा को 2-1 से हराया था। अपने सेमीफाइनल मैच के बारे में बोलते हुए उत्तर प्रदेश हॉकी कोच परमजीत सिंह ने कहा, टीम अच्छी लय में है और हम इसे बनाए रखने पर ध्यान दे रहे हैं। यह एक चुनौतीपूर्ण सेमीफाइनल होगा और उम्मीद है कि हम फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उनके प्रतिद्वंद्वी हॉकी कर्नाटक, जो वर्तमान में टूर्नामेंट (35 गोल) में दूसरी सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम है। वह अपने शानदार फॉर्म को भुनाने की कोशिश करेगी। हॉकी कर्नाटक के कोच प्रदीप कुमार आरपी ने कहा कि उनकी टीम एक कड़े मैच की उम्मीद कर रही है और वे मानसिक और शारीरिक रूप से इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा, सबसे पहले, सीनियर नेशनल एक आसान टूर्नामेंट नहीं है। हर टीम में बेहतर खिलाड़ी हैं और निश्चित रूप से, उत्तर प्रदेश हॉकी एक मजबूत टीम है। हम एक कड़े मैच की उम्मीद कर रहे हैं, जो कोई भी गलती करेगा वह हार जाएगा। मुझे लगता है कि सोमवार को होने वाले सेमीफाइनल के लिए हम तैयार हैं। दूसरे सेमीफाइनल में हॉकी महाराष्ट्र का सामना हॉकी पंजाब से होगा।हॉकी महाराष्ट्र के कोच एडगर जोसेफ मस्कारेनहास ने कहा, मैं हमेशा अपने खिलाड़ियों को अंतिम सीटी तक खेलने के लिए कहता हूं और खुद पर विश्वास रखता हूं। हमारे गोलकीपर आकाश चिकटे वास्तव में अच्छा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम हॉकी पंजाब का मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। हम उनकी खेल शैली को जानते हैं और हम वह हॉकी खेलेंगे जो हमने खेलने की योजना बनाई है। यह एक कठिन मैच होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है, लेकिन हम खेलने के लिए तैयार हैं। हॉकी पंजाब के कोच बलविंदर सिंह ने कहा, यह एक युवा टीम है, जिसमे लगभग 10 खिलाड़ी

पहली बार अपने राष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। मैं अब तक के प्रदर्शन से खुश हूं। हमें ओलंपिक कांस्य पदक विजेता रूपिंदर पाल सिंह का फायदा है। वह मार्गदर्शन करते रहे हैं। ये युवा खिलाड़ी वास्तव में बहुत अच्छे हैं। हॉकी महाराष्ट्र के खिलाफ मैच 50-50 का होगा।

खिलाड़ियों के बाहर निकलने से संकट में काउंटी टीम यॉर्कशायर : रिपोर्ट

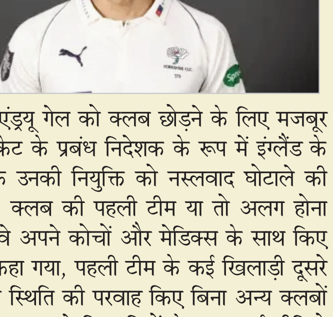

लंदन। पाकिस्तान मूल के क्रिकेटर अजीम रफीक के क्लब में नस्लवाद के मुद्दे को उठाने के बाद काउंटी टीम यॉर्कशायर के ऊपर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। इसकी वजह ये है कि पहली टीम के कई खिलाड़ी बाहर निकलने के कगार पर हैं, इसके लिए वह दूसरों क्लबों से बातचीत करने की अनुमति मांग रहे हैं। रफीक के आरोपों के बाद कई प्रायोजकों ने क्लब के साथ अपने संबंध तोड़ लिए और कोचिंग स्टाफ के 16 सदस्यों, जिनमें क्रिकेट के पिछले निदेशक मार्टिन मोक्सन और मुख्य कोच एंड्रयू गेल को क्लब छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। यॉर्कशायर ने अब अंतरिम आधार पर क्लब में क्रिकेट के प्रबंध निदेशक के रूप में इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज डैरेन गफ की नियुक्ति की घोषणा की है, जबकि उनकी नियुक्ति को नस्लवाद घोटाले की पृष्ठभूमि में एक बड़े सकारात्मक के रूप में देखा जा रहा है। वहीं, क्लब की पहली टीम या तो अलग होना चाहती है या वह दूसरे क्लबों के साथ जुड़ना चाह रही हैं, क्योंकि वे अपने कोचों और मेडिक्स के साथ किए गए व्यवहार से खुश नहीं हैं। रविवार को द मेल की एक रिपोर्ट में कहा गया, पहली टीम के कई खिलाड़ी दूसरे क्लबों के साथ जुड़ने पर विचार कर रहे हैं, जो मौजूदा अनुबंध की स्थिति की परवाह किए बिना अन्य क्लबों से बात करने का अधिकार मांग रहे हैं, जिस पर प्रबंध निदेशक डैरेन गफ ने खिलाड़ियों के साथ कई वीडियो बैठकें की हैं।

अर्जुन से बदला लेने के लिए जब कर्ण के तूणीर में पहुंचा एक जहरीला सर्प

महाभारत से इतर भी हमें महाभारत के संबंध में कुछ कथाएं मिलती हैं। उन्हीं में से एक कथा है कर्ण और सर्प के बारे में। लोककथाओं के अनुसार माना जाता है कि युद्ध के दौरान कर्ण के तूणीर में कहीं से एक बहुत ही जहरीला सर्प आकर बैठ गया। तूणीर अर्थात जहां तीर रखते हैं, जिसे तरकश भी कहते हैं। यह पीछे पीठ पर बंधी होती है। कर्ण ने जब एक तीर निकालना चाहा तो तीर की जगह यह सर्प उनके हाथ में आ गया। कर्ण ने पूछा, तुम कौन हो और यहां कहां से आ गए। तब सर्प ने कहा, हे दानवीर कर्ण, मैं अर्जुन से बदला लेने के लिए आपके तूणीर में जा बैठा था। कर्ण ने पूछा, क्यों?

इस पर सर्प ने कहा, राजन! एक बार अर्जुन ने खांडव वन में आग लगा दी थी। उस आग में मेरी माता जलकर मर गई थी, तभी से मेरे मन में अर्जुन के प्रति विद्रोह है। मैं उससे प्रतिशोध लेने का अवसर देख रहा था। वह अवसर मुझे आज मिला है। कुछ रुककर सर्प फिर बोला, आप मुझे तीर के स्थान पर चला दें। मैं सीधा अर्जुन को जाकर डस लूंगा और कुछ ही क्षणों में उसके प्राण-पखेरू उड़ जाएंगे।

सर्प की बात सुनकर कर्ण सहजता से बोले, हे सर्पराज, आप गलत कार्य कर रहे हैं। जब अर्जुन ने खांडव वन में आग लगाई होगी तो उनका उद्देश्य तुम्हारी माता को जलाना कभी न रहा होगा। ऐसे में मैं अर्जुन को दोषी नहीं मानता। दूसरा अनैतिक तरह से विजय प्राप्त करना मेरे संस्कारों में नहीं है इसलिए आप वापस लौट जाएं और अर्जुन को कोई नुकसान न पहुंचाएं। यह सुनकर सर्प वहां से उड़ गया। यदि कर्ण सर्प की बात मान लेते तो क्या होता?

विंध्याचल पर्वत माला का पौराणिक महत्व

यह पर्वत प्राचीन भारत के सप्तकुल पर्वतों में से एक है। विंध्य' शब्द की व्युत्पत्ति 'विध' धातु से कही जाती है। भूमि को बेध कर यह पर्वतमाला भारत के मध्य में स्थित है। यही मूल कल्पना इस नाम में निहित जान पड़ती है। विंध्य की गणना सप्तकुल पर्वतों में है। विंध्य का नाम पूर्व वैदिक साहित्य में नहीं है। इस पर्वत श्रंखला का वेद, महाभारत, रामायण और पुराणों में कई जगह उल्लेख किया गया है। विंध्य पहाड़ों की रानी विंध्यवासिनी माता है। मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर (मिरजापुर, उप्र.) श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। देश के 51 शक्तिपीठों में से एक है विंध्याचल। विध्यांचल पर्वतश्रेणी पहाड़ियों की टूटी-फूटी श्रृंखला है, जो भारत की मध्यवर्ती उच्च भूमि का दक्षिणी कगार बनाती है। यह पर्वतमाल भारत के पश्चिम-मध्य में स्थित प्राचीन गोलाकार पर्वतों की श्रेणियां है, जो भारत उपखंड को उत्तरी भारत व दक्षिणी भारत में बांटती है। इस पर्वतमाला का विस्तार उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार तक लगभग 1,086 किमी.तक विस्तृत फैला है। हालांकि इसकी कई छोटी बड़ी पहाड़ियों को विकास का नाम पर काट दिया गया है। इन श्रेणियों में बहुमूल्य हीरे युक्त एक भ्रंशीय पर्वत भी हैं।

इसकी प्रमुख नदियां : पहाड़ों के कटने से यहां से निकलने वाली नदियों का अस्तित्व भी संकट में है। विंध्य पर्वत में से उद्गम पाने वाली नदियां- शिप्रा या भद्रा (सिप्रा), पयोष्णी, निर्विंध्या (नेबुज), तापी निषधा या निषधावती (सिंद), वेण्वा या वेणा (वेणगंगा), वैतरणी (बैत्रणी), सिनीवाली या शिति बाहू, कुमुद्वती (स्वर्ण रेखा), करतोया या तोया (ब्राह्मणी), महागौरी (दामोदर), और पूर्णा, शोण (सोन), महानद (महानदी) और नर्मदा। मध्यप्रदेश और गुजरात की सरकार ने मिलकर सबसे बड़ी नर्मदा नदी की हत्या कर दी है। इस एक नदी के कारण संपूर्ण मध्यप्रदेश और गुजरात के जंगल हरे भरे और पशु पक्षी जीवंत रहते थे। लेकिन अब बांध बनाकर एक ओर जहां नदी के जलचर जंतु मर गए है।

प्राकृतिक संपदा : भारत में पर्यावरण विनाश की सीमा अरावली पर्वत श्रेणियों और पश्चिम के घाटों तक ही सीमित नहीं हैं, मध्यक्षेत्र में भी बेतरतीब ढंग से जारी रहकर प्राकृतिक संपदाओं के दोहन के कारण सतपुड़ा और विंध्याचल की पर्वत श्रेणियां तो खतरे में हैं ही अनेक जीवनदायी नदियों का वजूद भी संकट में है। वे लोग देशद्रोही है जो अपनी ही धरती को छलनी कर उसे विकास के नाम पर नष्ट कर रहे हैं।

पुराणों अनुसार : इसके अंतर्गत रोहतासगढ़, चुनारगढ़, कलिंजर आदि अनेक दुर्ग हैं तथा चित्रकूट, विन्ध्याचल आदि अनेक पावन तीर्थ हैं। पुराणों के अनुसार इस पर्वत ने सुमेरू सेर् ईष्या रखने के कारण सूर्यदेव का मार्ग रोक दिया था और आकाश तक बढ़ गया था, जिसे अगस्त्य ऋषि ने नीचे किया। यह शरभंग, अगस्त्य इत्यादि अनेक श्रेष्ठ ऋषियों की तप:स्थली रहा है। हिमालय के समान इसका भी धर्मग्रंथों एवं पुराणों में विस्तृत उल्लेख मिलता है।

अगस्त्य मुनि : दक्षिण भारत और हिदु महासागर से संबंधि अगस्ति (अगस्त्य) मुनि की गाथा है। उन्होंने विंध्याचल के बीच से दक्षिण का मार्ग निकाला। किंविदंती है कि विंध्याचलपर्वत ने उनके चरणों पर झुककर प्रणाम किया। उन्होंने आशीर्वाद देकर कहा कि जब तक वे लौटकर वापस नहीं आते, वह इसी प्रकार झुका खड़ा रहे। वह वापस लौटकर नहीं आए और आज भी विंध्याचल पर्वत वैसे ही झुका उनकी प्रतीक्षा कर रहा है।

विंध्याचल के जंगल : विंध्यांचल पर्वत श्रेणियों के दोनों तरफ घने जंगल हैं, जो अब शहरी आबादी और विकास के चलते काट दिए गए हैं। अन जंगलों में शेर, चीते, भालु, बंदर, हिरणों के कई झुंड होते थे जो अब दर बदर हैं। अब चंबल, सतपुड़ा और मालवा के पठारी इलाके में ही कुछ जंगल बचे हैं। यहां की पर्वतों की कंदराओं में कई प्राचीन ऋषियों के आश्रम आज भी मौजूद हैं। यह क्षेत्र पहले ऋषि मुनियों का तप स्थल हुआ करता था। पर्वतों की कंदराओं में साधना स्थल, दुर्लभ शैल चित्र, पहाड़ों से अनवरत बहती जल की धारा, गहरी खाईयां और चारों ओर से घिरे घनघोर जंगलों पर अब संकट के बादल घिर गए हैं। यहीं पर भीम बैठका जैसी गुफाएं हैं।

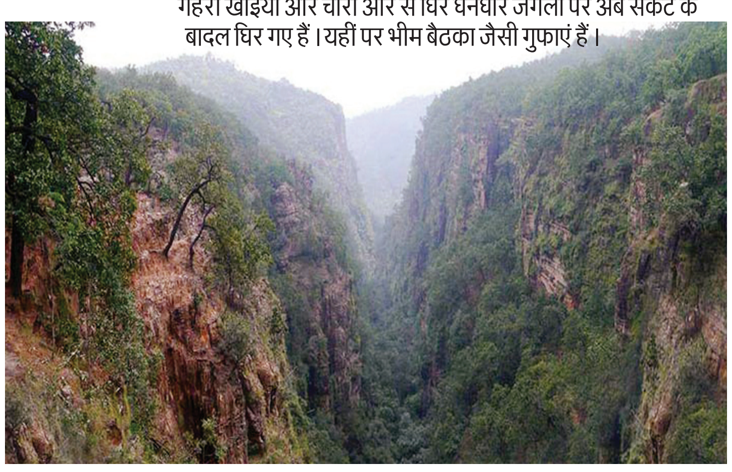

शिव को क्यों प्रिय है भस्म?

शिवजी के पूजन में भस्म अर्पित करने का विशेष महत्व है। बारह ज्योर्तिलंग में से एक उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन भस्म आरती विशेष रूप से की जाती है। यह प्राचीन परंपरा है। आइए जानते है शिवपुराण के अनुसार शिवलिंग पर भस्म क्यों अर्पित की जाती है। भगवान शिव अद्भुत व अविनाशी हैं। भगवान शिव जितने सरल हैं, उतने ही रहस्यमयी भी हैं। भोलेनाथ का रहन-सहन, आवास, गण आदि सभी देवताओं से एकदम अलग हैं। शास्त्रों में एक ओर जहां सभी देवी-देवताओं को सुंदर वस्त्र और आभूषणों से सुसज्जित बताया गया है, वहीं दूसरी ओर भगवान शिव का रूप निराला ही बताया गया है। शिवजी सदैव मृगचर्म (हिरण की खाल) धारण किए रहते हैं और शरीर पर भस्म (राख) लगाए रहते हैं। शिवजी का प्रमुख वस्त्र भस्म यानी राख है, क्योंकि उनका पूरा शरीर भस्म से ढंका रहता है। शिवपुराण के अनुसार भस्म सृष्टि का सार है, एक दिन संपूर्ण सृष्टि इसी राख के रूप में परिवर्तित हो जानी है। ऐसा माना जाता है कि चारों युग (त्रेता युग, सत युग, द्वापर युग और कलियुग) के बाद इस सृष्टि का विनाश हो जाता है और पुन: सृष्टि की रचना ब्रह्माजी द्वारा की जाती है। यह क्रिया अनवरत चलती रहती है। इस सृष्टि के सार भस्म यानी राख को शिवजी सदैव धारण किए रहते हैं। इसका यही अर्थ है कि एक दिन यह संपूर्ण सृष्टि शिवजी में विलीन हो जानी है। शिवपुराण के लिए अनुसार भस्म तैयार करने के लिए कपिला गाय के गोबर से बने कंडे, शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर के वृक्ष की लकड़ियों को एक साथ जलाया जाता है। इस दौरान उचित मंत्रोच्चार किए जाते हैं। इन चीजों को जलाने पर जो भस्म प्राप्त होती है, उसे कपड़े से छान लिया जाता है। इस प्रकार तैयार की गई भस्म शिवजी को अर्पित की जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस प्रकार तैयार की गई भस्म को यदि कोई इंसान भी धारण करता है तो वह सभी सुख-सुविधाएं प्राप्त करता है। शिवपुराण के अनुसार ऐसी भस्म धारण करने से व्यक्ति का आकर्षण बढ़ता है, समाज में मान-सम्मान प्राप्त होता है। अत: शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाना चाहिए। जिस प्रकार भस्म यानी राख से कई प्रकार की वस्तुएं शुद्ध और साफ की जाती है, ठीक उसी प्रकार यदि हम भी शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाएंगे तो अक्षय पुण्य की प्राप्ति होगी और कई जन्मों के पापों से मुक्ति मिल जाएगी।

भस्म की यह विशेषता होती है कि यह शरीर के रोम छिद्रों को बंद कर देती है। इसे शरीर पर लगाने से गर्मी में गर्मी और सर्दी में सर्दी नहीं लगती। भस्म, त्वचा संबंधी रोगों में भी दवा का काम भी करती है। शिवजी का निवास कैलाश पर्वत पर बताया गया है, जहां का वातावरण एकदम प्रतिकूल है। इस प्रतिकूल वातावरण को अनुकूल बनाने में भस्म महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भस्म धारण करने वाले शिव संदेश देते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। जहां जैसे हालात बनते हैं, हमें भी स्वयं को उसी के अनुरूप बना लेना चाहिए।

क्यों लगाते हैं भोलेनाथ शरीर पर भस्म, कैसे बनती है भस्मार्ती की भस्म

भगवान शिव ने अपने तन पर जो भस्म रमाई है वह उनकी पत्नी सती की चिता की भस्म थी जो कि अपने पिता द्वारा भगवान शिव के अपमान से आहत हो वहां हो रहे यज्ञ के हवनकुंड में कूद गई थी। भगवान शिव को जब इसका पता चला तो वे बहुत बेचैन हो गये। जलते कुंड से सती के शरीर को निकालकर प्रलाप करते हुए ब्रह्माण्ड में घूमते रहे। उनके क्रोध व बेचैनी से सृष्टि खतरे में पड़ गई। जहां जहां सती के अंग गिरे वहां शक्तिपीठ की स्थापना हो गई। पिर भी शिव का संताप जारी रहा। तब श्री हरि ने सती के शरीर को भस्म में परिवर्तित कर दिया। शिव विरह की अग्नि में भस्म को ही उनकी अंतिम निशानी के तौर पर तन पर लगा लिया। पहले भगवान श्री हरि ने देवी सती के शरीर को छिन्न भिन्न कर दिया था। जहां जहां उनके अंग गिरे वहीं शक्तिपीठों की स्थापना हुई। लेकिन पुराणों में भस्म का विवरण भी मिलता है। भगवान शिव के तन पर भस्म रमाने का एक रहस्य यह भी है कि राख विरक्ति का प्रतीक है। भगवान शिव चूंकि बहुत ही लौकिक देव लगते हैं। कथाओं के माध्यम से उनका रहन-सहन एक आम सन्यासी सा लगता है। एक ऐसे ऋषि सा जो गृहस्थी का पालन करते हुए मोह माया से विरक्त रहते हैं और संदेश देते हैं कि अंत काल सब कुछ राख हो जाना है। एक रहस्य यह भी हो सकता है चूंकि भगवान शिव को विनाशक भी माना जाता है। ब्रह्मा जहां सृष्टि की निर्माण करते हैं तो विष्णु पालन-पोषण लेकिन जब सृष्टि में नकारात्मकता बढ़ जाती है तो भगवान शिव विध्वंस कर डालते हैं। विध्वंस यानि की समाप्ति और भस्म इसी अंत इसी विध्वंस की प्रतीक भी है। शिव हमेशा याद दिलाते रहते हैं कि पाप के रास्ते पर चलना छोड़ दें अन्यथा अंत में सब राख ही होगा।

महाकाल की भस्मार्ती

उज्जैन स्थित महाकालेश्वर की भस्मार्ती विश्व भर में प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि वर्षों पहले श्मशान भस्म से भूतभावन भगवान महाकाल की भस्म आरती होती थी लेकिन अब यह परंपरा खत्म हो चुकी है और अब कंडे की भस्म से आरती-श्रृंगार किया जा रहा है। वर्तमान में महाकाल की भस्म आरती में कपिला गाय के गोबर से बने औषधियुक्त उपलों में शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर की लकड़ियों को जलाकर बनाई भस्म का प्रयोग किया जाता है। जलते कंडे में जड़ीबूटी और कपूर-गुगल की मात्रा इतनी डाली जाती है कि यह भस्म ना सिर्फ सेहत की दृष्टि से उपयुक्त होती है बल्कि स्वाद में भी लाजवाब हो जाती है। श्रौत, स्मार्त और लौकिक ऐसे तीन प्रकार की भस्म कही जाती है। श्रुति की विधि से यज्ञ किया हो वह भस्म श्रौत है, स्मृति की विधि से यज्ञ किया हो वह स्मार्त भस्म है तथा कण्डे को जलाकर भस्म तैयार की हो वह लौकिक भस्म है। शिव का शरीर पर भस्म लपेटने का दार्शनिक अर्थ यही है कि यह शरीर जिस पर हम घमंड करते हैं, जिसकी सुविधा और रक्षा के लिए ना जाने क्या-क्या करते हैं एक दिन इसी इस भस्म के समान हो जाएगा। शरीर क्षणभंगुर है और आत्मा अनंत। कई सन्यासी तथा नागा साधु पूरे शरीर पर भस्म लगाते हैं। यह भस्म उनके शरीर की कीटाणुओं से तो रक्षा करता ही है तथा सब रोम कूपों को ढंककर ठंड और गर्मी से भी राहत दिलाती है। रोम कूपों के ढंक जाने से शरीर की गर्मी बाहर नहीं निकल पाती इससे शीत का अहसास नहीं होता और गर्मी में शरीर की नमी बाहर नहीं होती। इससे गर्मी से रक्षा होती है। मच्छर, खटमल आदि जीव भी भस्म रमे शरीर से दूर रहते हैं।

कैसे हुई भीष्म पितामह की पराजय

महाभारत युद्ध के दसवें दिन भी भीष्म पितामह ने पांडवों की सेना में भयंकर मारकाट मचाई। यह देखकर युधिष्ठिर ने अर्जुन से भीष्म पितामह को रोकने के लिए कहा। अर्जुन शिखंडी को आगे करके भीष्म से युद्ध करने पहुंचे। शिखंडी को देखकर भीष्म ने अर्जुन पर बाण नहीं चलाए और अर्जुन अपने तीखे बाणों से भीष्म पितामह को बींधने लगे। इस प्रकार बाणों से छलनी होकर भीष्म पितामह सूर्यास्त के समय अपने रथ से गिर गए। उस समय उनका मस्तक पूर्व दिशा की ओर था। उन्होंने देखा कि इस समय सूर्य अभी दक्षिणायन में है, अभी मृत्यु का उचित समय नही हैं, इसलिए उन्होंने उस समय अपने प्राणों का त्याग नहीं किया।

युधिष्ठिर को दिया धर्म ज्ञान

महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से कहा कि इस समय पितामह भीष्म बाणों की शैय्या पर हैं। आप उनके पास चलकर उनके चरणों को प्रणाम कीजिए और आपके मन में जितने भी संदेह हो, उनके बारे में पूछ लीजिए। श्रीकृष्ण की बात मानकर युधिष्ठिर भीष्म पितामह के पास गए और उनसे धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का ज्ञान प्राप्त किया। युधिष्ठिर को ज्ञान देने के बाद भीष्म पितामह ने उनसे कहा कि अब तुम जाकर न्यायपूर्वक शासन करो, जब सूर्य उत्तरायण हो जाए, उस समय फिर मेरे पास आना।

ऐसे त्यागे भीष्म पितामह ने अपने प्राण

जब सूर्यदेव उत्तरायण हो गए तब युधिष्ठिर सहित सभी लोग भीष्म पितामह के पास पहुंचे। उन्हें देखकर भीष्म पितामह ने कहा कि इन तीखे बाणों पर शयन करते हुए मुझे 58 दिन हो गए हैं। उन्होंने श्रीकृष्ण को संबोधित करते हुए कहा कि अब मैं प्राणों का त्याग करना चाहता हूं। ऐसा कहकर भीष्मजी कुछ देर तक चुपचाप रहे। इसके बाद वे मन सहित प्राणवायु को क्रमश: भिन्न-भिन्न धारणाओं में स्थापित करने लगे। भीष्मजी का प्राण उनके जिस अंग को त्यागकर ऊपर उठता था, उस अंग के बाण अपने आप निकल जाते और उनका घाव भी भर जाता। भीष्मजी ने अपने देह के सभी द्वारों को बंद करके प्राण को सब ओर से रोक लिया, इसलिए वह उनका मस्तक (ब्रह्म रंध्र) फोड़कर आकाश में चला गया। इस प्रकार महात्मा भीष्म के प्राण आकाश में विलीन हो गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

रूस के सैन्य विमानों ने अफगानिस्तान से 200 लोगों को सुरक्षित निकाला

मास्को। रूस के सैन्य परिवहन विमानों ने शनिवार को अफगानिस्तान को राहत सामग्री की एक खेप की आपूर्ति करने के अलावा रूसी नागरिकों, अफगान छात्रों और कुछ अन्य लोगों समेत कुल 200 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया।रूस के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि तीनआईएल-76 मालवाहक विमान मास्को के लिए उड़ान भरने से पहले ताजिकिस्तान और किर्गिस्तान में रुकेंगे। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इन विमानों में रूस और किर्गिस्तान के नागरिक सवार हैं, जो अफगानिस्तान छोड़ना चाहते थे। इसके अलावा विमानों में रूसी विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले कुछ अफगान छात्र भी सवार थे।

89 देशों में हो चुकी है ओमीक्रोन की पहचान, डेढ़ से तीन दिन में मामले हो जाते हैं दोगुने: डब्ल्यूएचओ

जेनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि 89 देशों में ओमीक्रोन स्वरूप की पहचान की जा चुकी है और यह उन स्थानों पर डेल्टा स्वरूप की तुलना में तेजी से फैलता है, जहां संक्रमण का सामुदायिक स्तर पर प्रसार अधिक है। इसके मामले डेढ़ से तीन दिन में दोगुने हो जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शुक्रवार को अपनी एनहैंसिंग रेडिनेस फॉर ओमीक्रोन (बी.1.1.529): टैक्निकल ब्रीफ एंड प्रायोरिटी एक्शन्स फॉर मेंबर स्टेट्स रिपोर्ट में कहा कि मौजूदा उपलब्ध आंकड़ों को देखते हुए आशंका है कि ओमीक्रोन उन स्थानों पर डेल्टा से आगे निकल जाएगा, जहां सामुदायिक स्तर पर संक्रमण का प्रसार अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है, 16 दिसंबर 2021 तक, डब्ल्यूएचओ के सभी छह क्षेत्रों में 89 देशों में ओमीक्रोन स्वरूप की पहचान की गई है। जैसे-जैसे अधिक डेटा उपलब्ध होगा, ओमीक्रोन स्वरूप के बारे में वर्तमान समझ विकसित होती रहेगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि इस बात के पर्याप्त प्रमाण हैं कि ओमीक्रोन डेल्टा की तुलना में तेजी से फैलता है। यह सामुदायिक प्रसार वाले देशों में डेल्टा स्वरूप की तुलना में काफी तेजी से फैल रहा है। डेढ़ से तीन दिन में इसके मामले दोगुने हो जाते हैं।

ओमीक्रॉन का प्रसार रोकने के लिए ब्रिटेन में लग सकता है लॉकडाउन

लंदन। ब्रिटेन सरकार कोरोना वायरस के नये स्वरूप ओमीक्रोन के प्रसार की गति को थामने के लिए क्रिसमस के बाद दो सप्ताह के लॉकडाउन की योजना बना रही है। मीडिया में शनिवार को प्रकाशित रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। द टाइम्स के अनुसार, मसौदा नियम तैयार किए जा रहे हैं, जिसमें कामकाज के अपवाद को छोड़कर बंद कमरे के अंदर बैठक करने पर प्रतिबंध और पब और रेस्तरां को आउटडोर सर्विस तक सीमित करने की योजना शामिल है। द फाइनेंशियल टाइम्स में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के समक्ष तथाकथित प्लान सी के तहत कई विकल्प प्रस्तुत किये गये हैं, जिनमें 'हल्के प्रतिबंध से लेकर लॉकडाउन तक शामिल हैं। आपातकालीन स्थिति के लिए ब्रिटिश सरकार के वैज्ञानिक सलाहकार समूह से लीक हुए ब्योरे से खुलासा हुआ है कि वैज्ञानिकों ने मंत्रियों को चेतावनी दी है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के लिए प्रबंधनीय स्तरों के दायरों में अस्पताल में भर्ती करने के मामले में बहुत जल्द सख्त कदम उठाये जाने की आवश्यकता है। ब्योरे की प्रति बीबीसी को प्राप्त हुई है। फिर से लॉकडाउन प्रतिबंधों की रिपोर्ट उस वक्त आयी है, जब ब्रिटेन में शुक्रवार को कोविड-19 संक्रमण के रिकॉर्ड 93,045 मामले सामने आए, जो बृहस्पतिवार को सामने आये 88,376 मामलों से 4,669 अधिक हैं। यद्यपि डेल्टा स्वरूप देश के अधिकांश हिस्सों में फैला है, लेकिन ओमीक्रोन संक्रमण के मामले लंदन और स्कॉटलैंड में तेजी से बढ़े हैं। लंदन के अस्पतालों में कोविड-19 संक्रमितों की संख्या पिछले सप्ताह की तुलना में 28.6 प्रतिशत बढ़कर 1,534 हो गई है।

हांगकांग में विधान परिषद चुनाव के लिए मतदान

हांगकांग। केवल चीन के वफादार लोगों के चुनाव में खड़े होने की बात सुनिश्चित करने के मकसद से उम्मीदवारों की जांच करने और प्रत्यक्ष रूप से चुने गए प्रतिनिधियों की संख्या कम करने के लिए कानूनों में किए गए संशोधन के बाद हांगकांग में रविवार को पहली बार चुनाव हो रहा है। अर्द्ध स्वायत्त क्षेत्र में 2014 और 2019 में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शन हुए, जिसके बाद राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया गया, जिसके कारण शहर के कई सक्रियतावादी चुप हो गए और कई अन्य विदेश चले गए। मार्च, 2021 में चीनी संसद ने हांगकांग के चुनाव कानून को बदलने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया, जिसे कई लोगों ने 'एक देश, दो प्रणाली' ढांचे को प्रभावी ढंग से समाप्त करने के रूप में देखा। सदन ने बीजिंग समर्थक समिति को हांगकांग के अधिक प्रतिनिधियों को नियुक्त करने की शक्ति देने के लिए मतदान किया, सीधे चुने गए लोगों के अनुपात को कम किया तथा यह सुनिश्चित किया कि केवल बीजिंग के प्रति वफादार लोगों को ही कार्यालय चलाने की अनुमति दी जाए। इस चुनाव में कम मतदान होने की संभावना है और मतदान शुरू होने के तीन घंटे बाद करीब 4,16,061 पंजीकृत मतदाताओं या 9.35 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। हांगकांग की नेता कैरी लाम रविवार सुबह एक मतदान केंद्र पहुंची और उन्होंने कहा कि उन्हें मतदान प्रतिशत को लेकर ''कोई विशेष अपेक्षा'' नहीं है। विदेशी सक्रियतावादियों ने इस चुनाव का बहिष्कार करने की अपील की है। संवैधानिक और मुख्य भूमि मामलों के मंत्री एरिक त्सांग ने शनिवार को कहा था कि विदेशी बल इन चुनावों को कमजोर करने की कोशिश कर सकते हैं।

100 के करीब पहुंची फिलीपीन में तूफान से मरने वालों की संख्या

मनीला। फिलीपीन में बोहोल प्रांत के गवर्नर ने कहा है कि तूफान राय से कम से कम 49 लोगों की मौत हो जाने से देश में इस आपदा से मरने वालों की संख्या 100 हो गई है। बोहोल प्रांत के गवर्नर आर्थर याप ने बताया कि 10 लोग अब भी लापता हैं और 13 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। फेसबुक पर रविवार को एक बयान के मुताबिक याप ने इलाके के महापौर से राहत उपाय तेज करने को कहा है। फिलीपीन के मध्य हिस्से में बृहस्पतिवार और शुक्रवार को तूफान से भारी तबाही हुई। सरकार ने कहा है कि तूफान से करीब 7,80,000 लोग प्रभावित हुए। इनमें से 3,00,000 लोगों को अपना घर बार छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर पनाह लेनी पड़ी। आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी और राष्ट्रीय पुलिस ने तूफान से जुड़ी घटनाओं में कम से कम 39 और लोगों की मौत की पुष्टि की है।

उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने स्वीकारी बाइडेन प्रशासन की ओमिक्रॉन के खतरे को भांपने की नाकामी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित देशों में शुमार अमेरिका अब इसके नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के संकट से जूझ रहा है। अमेरिकी उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने यूएस में ओमिक्रॉन वेरिएंट के बढ़ते मामलों को लेकर बाइडेन प्रशासन की नाकामी को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ओमिक्रॉन वेरिएंट के खतरे को भांपने में नाकाम रही। एक मीडिया इंटरव्यू में उन्होंने यह बात कही। उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा कि वैज्ञानिकों के विश्वास दिलाने के बाद भी बाइडेन प्रशासन ओमिक्रॉन वेरिएंट से निपटने की तैयारी नहीं कर सका।

कमला हैरिस ने कहा कि, हम डेल्टा वेरिएंट को आते हुए नहीं देख सके और ओमिक्रॉन वेरिएंट के खतरे को भी नहीं भांप सके। यह इस भयानक वायरस की प्रकृति है और जैसा कि पता चला है कि इस नए वेरिएंट में कई म्यूटेशन है। जिन वैज्ञानिकों के विश्वास और मार्गदर्शन के आधार पर हम काम कर रहे थे बावजूद इसके अमेरिका की सरकार ओमिक्रॉन वेरिएंट से निपटने के लिए पर्याप्त तैयारी नहीं कर पाई। कमला हैरिस ने कहा कि यही हालात डेल्टा वेरिएंट के समय भी थे। जब हम वैज्ञानिकों की राय के बावजूद इस वेरिएंट के खतरे को भांप नहीं पाए।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का यह बयान उस वक्त आया है जब न्यूयॉर्क में शुक्रवार को एक दिन में कोविड-19 के 21 हजार मामले सामने आए हैं। यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। वहीं राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चेतावनी देते हुए कहा कि जिन लोगों का टीकाकरण नहीं हुआ है उनके लिए सर्दी का यह मौसम गंभीर बीमारी और मौत का कारण बन सकता है। क्योंकि अमेरिका में ओमिक्रॉन के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। अमेरिका में सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन ने अनुमान जताया है कि आने वाले महीनों में कोविड-19 से जुड़े केस और उससे होने वाली मौत के आंकड़े में वृद्धि होगी। एक अनुमान के तहत 8 जनवरी तक अमेरिका में कोरोना महामारी से 40 हजार लोगों की मौत हो सकती है। अब तक तमाम वैज्ञानिक इस बात को लेकर स्पष्ट नहीं है कि ओमिक्रॉन वेरिएंट कितना घातक हो सकता है क्योंकि इसमें कई म्यूटेशन हैं।

पाकिस्तान: कराची की सीवेज लाइन में शक्तिशाली धमाका

-16 लोगों की जान गई, 15 घायल

कराची। पाकिस्तान के कराची में सीवेज लाइन में गैस जमा होने से शक्तिशाली धमाके से शनिवार को 16 लोगों की जान ले ली जबकि 15 घायल हो गए। खबरों के मुताबिक कराची के शेरशाह इलाके में बंद सीवर में गैस विस्फोट के कारण एचबीएल बैंक की इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। विस्फोट के हताहतों में ज्यादातर एचबीएल बैंक के ग्राहक और कर्मचारी हैं। खबरों के मुताबिक सिंध प्रांत के गृह विभाग के सचिव काजी शाहिद परवेज ने पुष्टि की कि विस्फोट में 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य घायल हो गए। मृतकों में सत्ताधारी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के सदस्य आलमगीर खान के पिता भी थे। थाना प्रभारी जफर अली शाह ने कहा कि विस्फोट एक निजी बैंक के नीचे स्थित एक नाले में हुआ। इमारत परिसर को खाली करने के लिए नोटिस दिया गया था ताकि नाले को साफ किया जा सके। कराची के प्रशासक मुर्तजा वहाब ने कहा कि विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) की एक प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया है कि सीवेज लाइन में गैस जमा होने के कारण विस्फोट हुआ। रिपोर्ट में एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि आतंकवाद निरोधक अधिकारी भी विस्फोट की जांच कर रहे हैं।

इतालवी पुराविदों ने पाकिस्तान में की 2,300 साल पुराने बौद्धकालीन मंदिर की खोज

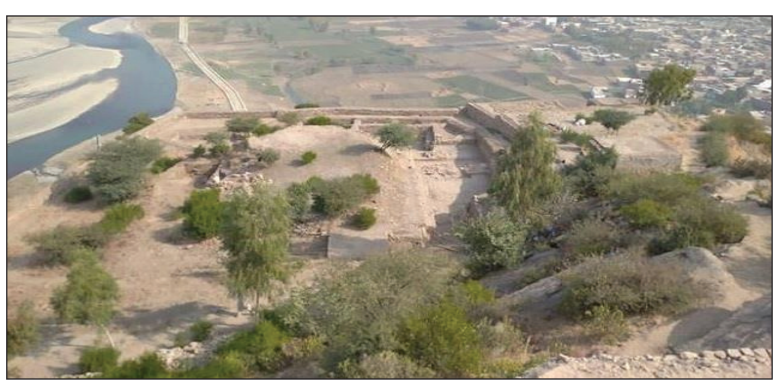

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इतालवी पुरातत्वविदों के एक संयुक्त दल ने उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में बौद्ध काल के 2,300 साल पुराने एक मंदिर की खोज की है। इसके साथ ही कुछ अन्य बेशकीमती कलाकृतियां भी खुदाई में मिली हैं। यह मंदिर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात जिले में बारीकोट तहसील के बौद्ध काल के बाजीरा शहर में मिला है। इस मंदिर को पाकिस्तान में बौद्ध काल का सबसे प्राचीन मंदिर बताया गया है।

इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'पाकिस्तान और इतालवी पुरातत्वविदों ने उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में एक ऐतिहासिक स्थल पर संयुक्त रूप से खुदाई करने के दौरान बौद्ध काल के 2,300 साल पुराने एक मंदिर की खोज की है। इसके अलावा अन्य बेशकीमती कलाकृतियां भी बरामद की गई हैं जो किसी खजाने से कम नहीं हैं। स्वात में मिला यह मंदिर पाकिस्तान के तक्षशिला में मिले मंदिरों से भी पुराना है।'

मंदिर के अलावा पुरातत्वविदों ने बौद्धकालीन 2,700 से अधिक अन्य कलाकृतियां भी बरामद की हैं जिनमें सिक्के, अंगूठियां, बर्तन और यूनान के राजा मिनांदर के काल की खरोष्ठी भाषा में लिखी सामग्री भी शामिल है। इतालवी विशेषज्ञों ने भरोसा जताया है कि स्वात जिले के ऐतिहासिक बाजीरा शहर में खुदाई के दौरान और भी पुरातात्विक स्थल मिल सकते हैं। पाकिस्तान में इटली के राजदूत आंद्रे फेरारिस ने पत्रकारों से कहा कि पाकिस्तान में पुरातात्विक स्थल दुनिया के विभिन्न धर्मों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इससे पहले पिरामिडों के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध मिस्र में पुरातत्वविदों के हाथ पिछले 50 साल में सबसे बड़ी सफलता हाथ लगी थी। पुरातत्वविदों को प्राचीन मिस्र के राजा फराओ के 6 लापता सूर्य मंदिरों में से एक मिला था। यह सूर्य मंदिर देश के एक रेगिस्तानी इलाके में खुदाई के दौरान पाया गया था। करीब 50 साल पहले इस तरह का पहला सूर्य मंदिर खुदाई में मिला था। ये मंदिर राजा फराओ के जिंदा रहने के दौरान उन्हें भगवान का दर्जा देने के लिए बनाए गए थे।

वाशिंगटन से सांसद डग एरिक्सन का कोविड-19 से हुआ निधन

सिएटल (अमेरिका) (एजेंसी। वाशिंगटन से रिपब्लिकन पार्टी के सांसद डग एरिक्सन का निधन हो गया। वह 52 वर्ष के थे। एरिक्सन की मृत्यु शुक्रवार को हुई। कुछ सप्ताह पहले उन्होंने बताया था कि लातिन अमेरिकी देश अल सल्वाडोर के दौरे के दौरान वह कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए थे, हालांकि उनकी मृत्यु के कारण के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। राज्य सीनेट रिपब्लिकन कॉकस ने शनिवार को उनके निधन की पुष्टि की। फर्नडेल से रिपब्लिक पार्टी के सांसद एरिक्सन पिछले महीने पार्टी के सहयोगियों से मिले थे और बताया था कि उन्होंने अल सल्वाडोर की यात्रा की थी, जहां पहुंचने के कुछ ही समय बाद एरिक्सन कोविड-19 से संक्रमित हो गए थे। उनके दौरे का कारण स्पष्ट नहीं था। राज्य की संसद और सीनेट के सदस्यों को एक संदेश में एरिक्सन ने सलाह मांगकर पूछा था कि मोनोक्लोनल एंटीबॉडी कैसे प्राप्त की जा सकती हैं। सिएटल टाइम्स ने बताया कि एरिक्सन ने व्हाटकॉम काउंटी में 42वें डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व किया और 1998 से वह विधानमंडल में थे। 2010 में सीनेट के लिए चुने जाने से पहले वह राज्य की संसद के लिए छह बार निर्वाचित हुए। एरिक्सनपूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के वाशिंगटन में अभियान के नेता थे। वह डेमोक्रेटिक पार्टी के गवर्नर जे इंसली के कोविड-19 संबंधी आपातकालीन आदेशों के मुखर आलोचक भी थे और टीकाकरण नहीं कराने के इच्छुक लोगों के अधिकारों की रक्षा करने के उद्देश्य से उन्होंने विधेयक भी पेश किया था। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि एरिक्सन ने कोविड-19 रोधी टीका लगवाया था या नहीं। अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र का कहना है कि अल सल्वाडोर जाने से पहले लोगों को टीके की सभी खुराक ले लेनी चाहिए, जहां कोविड-19 तेजी से फैला है।

ओमीक्रोन के चलते पाबंदियां सख्त करने लगे यूरोपीय देश

लंदन, (एजेंसी)। यूरोप में विभिन्न देश सबसे अधिक संक्रामक स्वरूप ओमीक्रोन से उत्पन्न हुई कोविड-19 की संभावित नयी लहर से बचने के प्रयास के तहत कड़ी पाबंदियां लगाने लगे हैं जिसके बाद पेरिस से बार्सिलोना तक लोग प्रदर्शन करने लगे हैं। इस महामारी के मामलों में तीव्र वृद्धि के बीच चौकन्ना हो गये फ्रांस और आस्ट्रिया के मंत्रियों ने यात्रा पाबंदियां कड़ी कर दी हैं। फ्रांस ने नये साल पर आतिशबाजी रद्द कर दी है। डेनमार्क ने थियेटर, कंसर्ट हॉल, मनोरंजन पार्क एवं संग्रहालय बंद कर दिये हैं। आयरलैंड ने पब एवं बार में रात आठ बजे के बाद कर्फ्यू लगा दिया है तथा घर के अंदर एवं बाहर के कार्यक्रमों में लोगों की उपस्थिति सीमित कर दी है।

आयरलैंड की प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन ने शुक्रवार को अपने संबोधन में कहा कि नयी पाबंदियां जिंदगियां एवं आजीविका को संक्रामक वायरस से बचाने के लिए जरूरी हैं। अन्य देश अभी और आगे बढ़ सकते हैं। डच सरकार के मंत्री विशेषज्ञ समिति की सलाह पर चर्चा करने के लिए बैठक कर रहे हैं जिसने पहले से चल रहे आंशिक लॉकडाउन को सख्त करने की सिफारिश की है। ब्रिटेन की सरकार ने भवनों के अंदर भी मास्क लगाने की जरूरत भी अनिवार्य कर दी है और तथा नाइट क्लब एवं बड़े कार्यक्रमों में जाने के लिए लोगों को टीकाकरण या हाल का निगेटिव जांच प्रमाणपत्र दिखाने का आदेश दिया है।

देश में इस सप्ताह रोजाना संक्रमण बड़ी तेजी से बढ़ा है। अब वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि सरकार को अस्पतालों में भीड़ रोकने के लिए और कदम उठाने की जरूरत है। ब्रिटेन एवं अन्य देश बूस्टर डोज की गति बढ़ाने में जुटे हैं क्योंकि प्रारंभिक आंकड़ों से सामने आया है कि टीके की दो खुराक ओमीक्रोन के विरूद्ध कम प्रभावी है। फ्रांस में रेस्तरां, कैफे एवं अन्य स्थानों पर प्रवेश के लिए वैक्सीन पास के सरकारी प्रस्ताव केविरूद्ध पेरिस में विरोध के स्वर उठने लगे हैं। इटली के तूरिन में भी विरोध प्रदर्शन का कार्यक्रम है।

धोती पहन श्रीलंका के मंदिर में पूजा करने पहुंचे चीनी राजदूत, एक्सपर्ट बोले- जिनपिंग की नई चाल भारत के लिए खतरा

कोलंबो (एजेंसी)। चीन के राजदूत क्यूई जेनहोंग श्रीलंका के दो दिवसीय सद्भावना दौरे पर गए हैं। लेकिन इस दौरे दौरान चीनी राजदूत का एक रूप ऐसा रूप सामने आया जिसने चीन की नीयत पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल चीन में धर्म को मानने का मतलब वामपंथियों के सीधे निशाने पर आना होता है लेकिन श्रीलंका दौरे पर आए चीन के राजदूत क्यूई जेनहोंग हिंदू बन गए और सफेद धोती पहनकर मंदिर में पूजा करने पहुंच गए।

चीनी राजदूत ने न सिर्फ धोती पहना बल्कि मंदिर में बकायदा हिंदू रीति-रिवाज के साथ पूजा भी की । चीनी राजदूत के इस घटनाक्रम पर एक्सपर्ट्स का कहना है कि इसके पीछे शी जिनपिंग की बहुत बड़ी चाल है। उनका कहना है कि जाफना प्रांत में स्थानीय तमिलों से रिश्ते को लेकर जहां भारत निश्चिंत है वहीं चीन काफी तेजी से काम कर रहा है। चीन की ये चाल भारत-श्रीलंका संबंधों के लिए खतरे की घंटी मानी जा रही है।

चीन को लुभा रहा श्रीलंका का तमिल बहुल इलाका

चीनी दूतावास ने अपने राजदूत के हिंदू मंदिर में पूजा अर्चना की ये तस्वीर जैसे ही ट्वीट की दुनिया सकते में आ गई कि अब शी जिनपिंग कौन सी नई चाल चल रहे हैं? कुछ दिन पहले पहले ही चीन की तरफ से ट्वीटर पर कहा गया कि, चीन की सोलर कंपनी

को मालदीव में एक नया ग्राहक मिला है, उसके बाद इस बात की संभावना है कि, चीन के राजदूत सुरक्षा चिंताओं को तलाशने के लिए श्रीलंका के उस तमिल बहुल क्षेत्र का दौरा किया है, जो शुरू से ही अशांत रहा है और जहां एक वक्त भारी लड़ाई लड़ी गई है। श्रीलंका के उत्तर में स्थिति जाफना प्रांत तमिल बहुल इलाका है, जो अभी चीन को लुभा रहा है, क्योंकि चीन इस द्वीप पर सोलर पॉवर प्लांट खोलना चाहता है, जो परंपरागत रूप से भारत के पक्ष में रहा है।

चीनी राजदूत ने मंदिर के लिए दान भी दिया

श्रीलंका में चीनी राजदूत ने जाफना प्रांत का दौरा उस 'जातीय युद्ध' की समाप्ति के 12 सालों के बाद किया है, जिनकी अभी भी श्रीलंका की मुख्य सिंहली आबादी के साथ 'खराब' रिश्ता है, वहीं दूसरी तरफ श्रीलंका और चीन भी जहरीले जैविक उर्वरक की आपूर्ति के बाद खराब संबंधों से गुजर रहे हैं। मछुआरों को दिए मछली पकड़ने वाले मशीन मछुआरों को दिए मछली पकड़ने वाले मशीन चीनी दूतावास ने सोशल मीडिया ट्वीटर पर कहा कि, राजदूत झेनहोंग ने धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का सम्मान करते हुए मंदिर का दौरा किया था। उन्होंने मंदिर के लिए दान भी दिया है। इसके साथ ही चीनी राजदूत ने सजाफना पब्लिक लाइब्रेरी को किताबें दान कीं हैं और उत्तरी प्रांत के गवर्नर जीवन त्यागराज से मुलाकात कर आपसी सहयोग को बढ़ाने और तमिल समुदाय की आय बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की है।

भारत को लेकर चीनी राजदूत ने दिया ये बयान

चीनी अधिकारियों ने जाफना और मन्नार में मछुआरों को फिशिंग टैकल और फेस मास्क भेंट किए हैं। जाफना में स्थानीय सिविल सोसाइटी के लोगों ने चीनी राजदूत से श्रीलंका में भारत और चीन की प्रतिद्वंदिता को लेकर सवाल पूछा, जिसपर जवाब देते हुए राजदूत क्यूई ने कहा कि, भारत और श्रीलंका के मुकाबले भारत और चीन की भौगोलिक दूरी काफी करीब है और भारत और चीन सीमा को साझा करते हैं। वहीं, चीनी राजदूत ने भारत के साथ चीन की प्रतिद्वंदिता को खारिज कर दिया और कहा कि, दोनों देश अपनी समस्याओं को सुलझाने में लगातार लगे हुए हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि जाफना से तीन द्वीपों पर सौर फार्म को रद्द करने के लिए श्रीलंका पर 'तीसरे पक्ष' के दबाव की बात 'फर्जी खबर' थी।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की मदद के लिए बुलाई मुस्लिम देशों की बैठक, नीयत पर उठे सवाल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान आर्थिक एवं मानवीय आपदा से निपटने में अफगानिस्तान की मदद करने के लिए मुस्लिम देशों को एकजुट करेगा और पड़ोसी देश के नए तालिबान शासकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छवि नरम बनाने के लिए राजी करने का प्रयास करेगा। पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक ने शुक्रवार को कहा कि 57 सदस्यीय इस्लामी सहयोग संगठन के कई विदेश मंत्री अफगानिस्तान की मदद करने के तरीकों को खोजने के लिए रविवार 19 दिसंबर को इस्लामाबाद में बैठक करेंगे और वे तालिबान-संचालित सरकार की मुश्किल राजनीतिक वास्तविकताओं पर भी चर्चा करेंगे। इस बैठक को लेकर अब पाक की नीयत पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं कि आखिर पाकिस्तान सभी मुस्लिम देशों के साथ बैठक कर क्या हासिल करना चाहता है और क्या मुस्लिम देश पाकिस्तान में होने वाली बैठक को लेकर उत्साहित भी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान सरकार सभी मुस्लिम देशों से बैठक में शामिल होने का अनुरोध कर रही है, लेकिन बैठक को लेकर ज्यादातर मुस्लिम देश उत्साह नहीं दिखा रहे हैं। इस्लामाबाद में होने वाली इस 'महाबैठक' के लिए पाकिस्तान ने सभी 57 मुस्लिम देशों से शामिल होने के लिए मनुहार की है, लेकिन अभी तक सिर्फ 24 देशों ने ही बैठक में शामिल होने पर सहमति जताई है। हालांकि, पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने दावा किया है कि, बैठक में सभी मुस्लिम देश शामिल होंगे, लेकिन अभी तक पाकिस्तान की तरफ से शामिल होने वाले देशों को लेकर लिस्ट जारी नहीं की गई है। जानकारों का मानना है कि इस्लामिक देशों के साथ होने वाली इस बैठक के जरिए पाकिस्तान अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार पर इस्लामिक देशों में एक आम सहमति बनाने की कोशिश कर रहा है। अब तक पूरी ताकत लगाने के बाद भी पाकिस्तान को दुनिया के किसी भी देश से तालिबान की सरकार को मान्यता दिलाने में कामयाबी नहीं मिली है। लिहाजा, इस बैठक में पाकिस्तान ने तालिबान की सरकार के विदेश मंत्री को भी बुलाया है। ऐसे में इस बात की पूरी संभावना है कि, कई देशों के विदेश मंत्री बैठक में हिस्सा लेने नहीं पहुंचे। राजनीतिक एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस शिखर सम्मेलन का मुख्य एजेंडा भी अफगानिस्तान ही होने वाला है, हालांकि अफगानिस्तान अभी तक ओआईसी का सदस्य नहीं है। दूसरी तरफ अमेरिका, यूरोप और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संगठन तालिबान को वित्तीय मदद देने से साफ इनकार कर चुके हैं। जिससे पाकिस्तान बुरी तरह से परेशान है। पाकिस्तान को अफगानिस्तान में तालिबान राज स्थापित होने के बाद अभी तक कुछ भी हासिल नहीं हुआ है, लिहाजा पाकिस्तान इस्लामिक देशों से अफगानिस्तान को आर्थिक मदद दिलवाना चाहता है और खुद बीच की कड़ी बन सकता है। आर्थिक कंगाली से बचने के लिए अफगानिस्तान की पाकिस्तान के लिए आखिरी उम्मीद बचा है, लिहाजा पाकिस्तान तालिबान को आर्थिक मदद दिलाने के लिए हर कदम उठा रहा है। इसके साथ ही, इस बात की भी पूरी उम्मीद है, कि इस्लामिक देशों के साथ बैठक में पाकिस्तान कश्मीर का मुद्दा उठा सकता है। जानकरों की मानें तो कई इस्लामिक देशों ने इस बार तालिबान से काफी दूरी बना रखी है, लिहाजा पाकिस्तान का ये प्लान फेल हो सकता है। अफगानिस्तान में पाकिस्तान की भूमिका पर भी नए सवाल उठ सकते हैं। अमेरिकी कांग्रेस की विशेष समिति ने साफ तौर पर कह दिया है कि अफगानिस्तान मामले में पाकिस्तान ने उसके साथ विश्वासघात किया है। वहीं, भारत

के 50,000 टन गेहूं और दवाओं से लदे ट्रकों को रास्ता देने से इनकार रा मामला भी बैठक में उठ सकता है। इसके साथ ही इस्लामिक देश पाकिस्तान की सरकार से सियालकोट में श्रीलंकाई नागरिक को जिंदा जलाने को लेकर भी सवाल पूछ सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को करोड़ों रुपये की सौगात देंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 को प्रयागराज में देंगे महिलाओं को करोड़ों रुपये की सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 दिसंबर को प्रयागराज में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को करोड़ों रुपये की सौगात देंगे। इस दायरे में बैंकिंग कारेस्पांडेंट सखी, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लाभार्थी भी शामिल हैं। स्वयं सहायता समूहों की तरफ से संचालित पुष्टाहार उत्पादन इकाइयों को करोड़ो रुपयों की सौगात मिलेगी। इस मौके पर प्रधानमंत्री महिलाओं से संवाद भी करेंगे। मंगलवार को पीएम मोदी प्रयागराज आएंगे। वहां वह 1.60 लाख स्वयं सहायता समूहों के खातों में एक हजार करोड़ रुपये हस्तांतरित करेंगे। इस रकम से करीब 16 लाख महिलाएं सीधे लाभान्वित होंगी। प्रधानमंत्री महिला स्वयं सहायता समूहों की तरफ से संचालित 202 पुष्टाहार उत्पादन इकाइयों की आधारशिला रखेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री एक लाख एक हजार लाभार्थियों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत 20.20 करोड़ रुपये की धनराशि भी उनके बैंक खातों में ट्रांसफर करेंगे। पीएम के हाथों 80 हजार स्वयं सहायता समूहों को प्रति समूह 1.10 लाख रुपये की दर से 880 करोड़ रुपये का कम्युनिटी इनवेस्टमेंट फंड (सीआईएफ) भी मिलेगा। इसके अलावा 60 हजार स्वयं सहायता समूहों को प्रति समूह 15 हजार रुपये की दर से कुल 120 करोड़ रुपये प्रदान किए जाएंगे। पुष्टाहार उत्पादन इकाइयों के जरिये चार हजार महिलाओं को सीधे रोजगार सुलभ होगा। यह इकाइयां इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट स्कीम (आईसीडीएस) के तहत प्रदेश के 600 ब्लाकों में सहायक पुष्टाहार सामग्री का वितरण करेंगी। सरकार की इस पहल से स्वयं सहायता समूहों को सालान पांच हजार करोड़ रुपये का व्यापार करने का अवसर मिलेगा। पीएम मोदी प्रदेश की 20 हजार बीसी सखी को चार-चार हजार रुपये मानदेय की सौगात देंगे। यह धनराशि उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी। प्रदेश सरकार का लक्ष्य राज्य के 58189 ग्राम पंचायतों में बीसी सखी की नियुक्ति की है। अब तक 56875 बीसी सखियों का चयन किया जा चुका है। इनमें से 38341 के प्रशिक्षण का कार्य भी पूर्ण हो चुका है। बीसी सखियों के होने से गांव के बुजुर्गों व महिलाओं को बैंकों तक भागदौड़ व अन्य असुविधाओं से मुक्ति मिलेगी। बीसी सखियों को उनके कार्य के एवज में प्रतिमाह चार हजार रुपये मानदेय छह माह तक दिया जाएगा।

स्मृति ईरानी और नितिन गड़करी 25 को आएंगे अमेठी देंगे अरबों की सौगात

अमेठी (एजेंसी)।

अमेठी सांसद व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी आगामी 25 तारीख को अमेठी आ रही है। स्मृति जवाहर नवोदय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य के साथ अमेठी के विकास के लिए अरबों रुपए की योजनाओं की सौगात देंगी। विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत के साथ ही अमेठी में सियासी पारा चढ़ने लगा है। एक दिन पहले जहां राहुल गांधी अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ अमेठी में पदयात्रा करके गए हैं। वही 25 तारीख को सांसद स्मृति ईरानी द्वारा एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित कर अमेठी को कई विकास योजनाओं से आच्छादित किया जाना है। कार्यक्रम को लेकर सांसद प्रतिनिधि विजय गुप्ता लगातार अमेठी में ही कैंप कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में जगदीशपुर रायबरेली एनएच का शिलान्यास किया जाएगा। रायबरेली को सीधे जगदीशपुर से जोड़ने वाली इस सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा दिया गया है।राज मार्ग एवं परिवहन मंत्रालय ने इसे टू लेन नेशनल हाईवे के रूप में विकसित करने की मंजूरी दे दी है। 46 किलोमीटर लंबी इस सड़क के लिए भूमि अधिग्रहण व निर्माण पर लगभग 720 करोड रुपए का खर्च आएगा। जवाहर नवोदय विद्यालय के मंच से ही इस सड़क का शिलान्यास होगा। रायबरेली से अयोध्या को जोड़ने के लिए यह एक प्रमुख राजमार्ग होगा। इसके साथ ही 45 किमी लंबे जामो भादर मार्ग का भी शिलान्यास होगा। जर्जर हो चुके इस मार्ग को स्मृति ईरानी के प्रयासों से पुनः बनाया जा रहा है। जगदीशपुर- बाजार शुकुल मार्ग का भी शिलान्यास होगा। इसके साथ ही कई अन्य योजनाओं परियोजनाओं के शिलान्यास व लोकार्पण को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। सभी नेता जवाहर नवोदय विद्यालय प्रांगण में एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में सरकार के मंत्री सुरेश पासी स्थानीय विधायक व कई अन्य प्रमुख नेता भी शामिल होंगे। इस संबंध में सांसद प्रतिनिधि विजय गुप्ता ने बताया कि दीदी स्मृति ईरानी का प्रयास अमेठी का सर्वांगीण विकास है। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां की जा रही हैं।

भारत में घुसपैठ की कोशिश करता चीनी नागरिक गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)।

बिहार के मधुबनी के माधवापुर ब्लॉक से सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने 39 वर्षीय चीनी नागरिक को भारत-नेपाल सीमा से भारत में प्रवेश करने के बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान चीन के दक्षिणी तट पर फुजियान प्रांत के रहने वाले जिउ जियांग शी के रूप में हुई है। एसएसबी अधिकारियों ने पूछताछ के बाद आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, माधवापुर थाने के थाना प्रभारी गया सिंह ने बताया कि भारत में घुसपैठ की कोशिश करने वाले चीनी नागरिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार आरोपी को शनिवार की रोज भारत-नेपाल सीमा से लगे पिलर नंबर 295/2 पर माधवापुर में गांधी चौक के पास से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी भारतीय क्षेत्र में अपने प्रवेश से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। विशेष खुफिया शाखा (एसआईबी) के अधिकारियों ने उससे पूछताछ की है। पुलिस ने बताया कि उसके पास से मोबाइल फोन और नेपाली वीजा समेत कुछ अन्य कागजात बरामद किए गए। इस संबंध में विदेश मंत्रालय को अवगत करा दिया गया है।

सर्वेक्षण के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 9-10 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी

नई दिल्ली।

भारतीय उद्योग मंडल सीआईआई के सीईओ सर्वेक्षण के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 9-10 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। हालांकि सेवा एवं विनिर्माण क्षेत्र पर ओमीक्रोन के असर को लेकर उनमें चिंता भी है। सीआईआई ने कहा कि उसकी राष्ट्रीय परिषद में शामिल मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के बीच हुए सर्वेक्षण में शामिल लगभग 10 प्रतिशत अधिकारी वर्ष 2021-22 में वृद्धि 10 प्रतिशत से भी अधिक होने का अनुमान हैं। सीआईआई के अध्यक्ष ने कहा,मोदी सरकार के लोक निर्माण पर जोर देने, नकदी को बढ़ावा देने के लिए समय पर हस्तक्षेप और हाल के महीनों में नियमों में ढील देने, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, आरओडीटीईपी और कई अन्य साहसिक सुधारों ने उच्च आर्थिक वृद्धि को लेकर आशावादिता बढ़ी है।'' सर्वेक्षण में कंपनियों के लगभग 100 सीईओ से राय ली गई। इनमें से 55 प्रतिशत सीईओ ने आशंका जाहिर कि ओमीक्रोन के प्रकोप से सेवा क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। वहीं अन्य 34 प्रतिशत सीईओ ने संकेत दिया कि इससे विनिर्माण क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

भाजपा परिवारवाद और वंशवाद से अलग-शिवराज सिंह चौहान

बलिया (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मोदी के एम का मतलब मजबूत नेतृत्व, ओ का मतलब ओजपूर्ण व्यक्तित्व, डी का मतलब दृढ़ निश्चयी और आई का मतलब ईश्वर का वरदान है। वहीं उन्होंने उप्र के मुख्यमंत्री योगी के वाई का मतलब योग्य, ओ का मतलब ओजस्वी, जी का मतलब गतिशील और आई का मतलब ईमानदार बताया। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए भाजपा को परिवार वाद और वंशवाद से अलग बताया।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को यहां उप्र भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह के साथ पार्टी की जन विश्वास यात्रा को रवाना किया। इस मौके पर श्री मुरली मनोहर टाउन डिग्री कॉलेज के मैदान में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश की तरह मैं बलिया और यूपी के बच्चों का भी मामा हूं। उन्होंने कहा कि लोगों को आजादी का सही मतलब नहीं बताया गया है। समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा की सपा के बबुआ ने अपनों को धोखा दिया है। उन्होंने आजम खां को लेकर अखिलेश पर निशाना साधा। बोले बबुआ के चाचा योगी की पुलिस से डर रहे हैं। बबुआ के चाचा की गाड़ी कब पलट जाएगी, कहा नहीं जा सकता। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस को हिंदुत्व का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में वीर सावरकर का योगदान बड़ा है, लेकिन वीर सपूतों के योगदान को भुलाया गया है। इस समय कांग्रेस के राहुल हिंदुत्व की बात कर रहे हैं, तो प्रियंका गंगा स्नान कर रही हैं। मप्र के मुख्यमंत्री 'जन विश्वास यात्रा' को सबसे पहले सभा से पांच किलोमीटर दूर शहीद मंगल पांडेय के गांव नगवां लेकर पहुंचे। यहां उन्होंने अमर शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। उसके बाद उन्होंने एक दलित नरेश पासवान के घर पर भोजन किया।

आप पार्टी की नई शराब नीति के कारण, दिल्ली बनी नशे की राजधानी : चौ. अनिल कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाए जा रहे जन जागरण अभियान के तहत आज वजीरपुर विधानसभा में अशोक विहार के सेन्ट्रल मॉर्किट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सम्बोधिति करते हुऐ दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने केन्द्र की मोदी सरकार व दिल्ली की अरविन्द सरकार की जन विरोधी नीतियों को उजागर किया। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द को बी टीम व भ्रष्ट बताते हुऐ कडे शब्दों में दोनों सरकारों की निन्दा की, क्योंकि इन दोनों सरकारों ने जन हित में कुछ भी नहीं किया, सिवाए अपनी पार्टी और अपने व्यक्तिगत लाभ के। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द ने अपने सहयोगी शराब माफियाओं को फायदा पहुंचाने के लिए उन्हें दिल्ली के हर चौराहे पर शराब के ठेके खुलवा कर दिल्ली को नशे की ओर धकेल दिया है और साथ ही दिल्ली में हर तरफ मंहगाई में बेहताशा बढ़ोत्तरी कर दी। आज के इस जन जागरण अभियान में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार के अलावा दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष जय किशन व मुदित अग्रवाल, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संचार विभाग के चैयमेन एवं पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, जिला अध्यक्ष मनोज यादव, पूर्व विधायक मंगत राम सिंघल, हरि शंकर गुप्ता, कुवंर करन सिंह, ए.आई.सी.सी. सचिव तरूण कुमार, ए.आई.सी.सी. प्रवक्ता रागनी नायक, निगम पार्षद एवं उत्तरी नगर निगम में कांग्रेस नेता प्रेरणा सिंह, महिला कांग्रेय अध्यक्ष अमृता धवन, हरि किशन जिन्दल, जे. एस. नियाल, कमल कान्त शर्मा, रीतू सिंह चौहान, अनुजा पोपली, अशोक बसोया, शान्ति स्वरूप, सीमा जोशी दिल्ली आई.टी. सेल के चैयमेन राहुल शर्मा, तथा ब्लॉक अध्यक्ष आदि मौजूद थे। चौ. अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द का उद्देश्य शुरू से ही सत्ता हासिल कर उचित या अनुचित किसी भी तरीके से व्यक्तिगत लाभ कमाना रहा है, उनकी यह मन्शा इस बात से साफ जाहिर होती है कि अरविन्द केजरीवाल ने किस प्रकार अपने और अपनी पार्टी के फायदे के लिए शराब माफियाओं को दिल्ली के हर चौराहे पर शराब की दुकान खुलवा दी है।

यूपी में एसपी नेताओं के ठिकानों पर छापेमारी से राजनीति गर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के कई शहरों में आयकर विभाग की छापेमारी जारी है। सबसे बड़ी बात ये कि जितने लोगों के ठिकाने पर छापा पड़ा है। सभी अखिलेश यादव के करीबी हैं। अखिलेश यादव प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले हैं। कल भी उन्होंने छापों को लेकर बीजेपी पर जमकर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार संस्थाओं के जरिए चुनाव लड़ रही है। बीजेपी को निशाने पर लेते हुए अखिलेश ने कहा, ये जनता का चुनाव है। जहां बीजेपी को हार का डर सता रहा है। इसिलिए आईटी विभाग यूपी आ रहा है। इस पर बीजेपी नेताओं ने जवाबी हमला करते हुए कहा कि जो भ्रष्टाचार करेगा उस पर कार्रवाई होगी।समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता और राष्ट्रीय सचिव राजीव राय के घर पर आयकर विभाग के छापे की कार्रवाई 16 घंटे तक चलने के बाद खत्म हो चुकी है।इसके बाद राजीव राय ने दावा किया दिनभर की तलाशी के बाद आयकर विभाग को सिर्फ 17 हजार रुपए मिले। मेरे घर से 17, 750 रुपये पकड़े गए। मेरी मां के इलाज के लिए रखे पैसे पकड़े गए। चुनाव से पहले इस तरह की कार्रवाई से हम डरने वाले नहीं हैं। मेरा अपराध सिर्फ इतना है कि कोरोना शुरू होने के बाद मैंने लोगों के घर घर में खाना पहुंचाया। अपने पैसे से मदद पहुंचायी। राजीव राय ने कहा से पहले मेरे नाम के आगे कोई विवाद रहा हो या फिर कहीं से कुछ हुआ हो तो बताएं। मेरे तो दुश्मन भी मेरे बारे में गलत नहीं बोलते। अखिलेश यादव हमारे नेता उनके हमारी बात होती रहती है। मैं जल्द लखनऊ पहुंचकर उनसे मुलाकात करूंगा। उन्होंने कहा बाकी जिन सपा के नेताओं के घर छापेमारी हुई है उनके साथ मेरा कोई कारोबारी रिश्ता नहीं है।

मेरे कई पत्रकार साथियों ने पहले भी कहा था कि आप बीजेपी के ऊपर तीखा हमला करते हैं, इसलिए आपको बचकर रहना चाहिए राजीव राय ने बताया कि 18 तारीख की सुबह 7:00 बजे इनकम टैक्स की टीम राजीव राय के मऊ स्थित निवास/कैंप कार्यालय पर सुबह सुबह आधमके और सोए हुए नेता राजीव राय को उठाकर अपना परिचय देते हुए छापेमारी की कार्रवाई शुरू कर दी। यह कार्रवाई उनके लगभग पांच से छह ठिकानों पर एक साथ की गई जिसमें सपा नेता का आरोप है कि उनके और उनके परिजनों और रिश्तेदारों को गैर कानूनी रूप रूप से बंधक बनाया गया और इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार एक कार्यक्रम के दौरान कहा

40 हजार सालों से भारत के लोगों का डीएनए एक जैसा: संघ प्रमुख मोहन भागवत

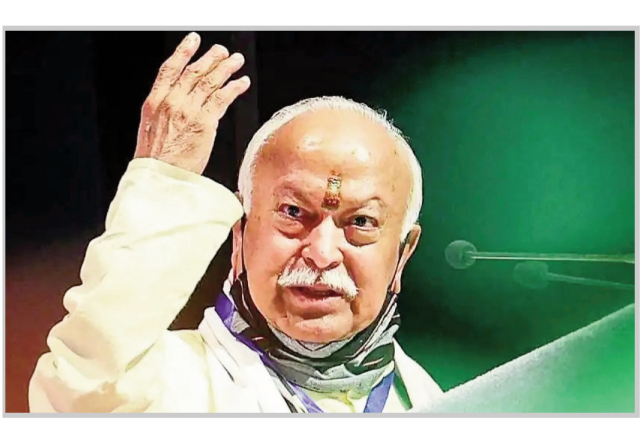

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि 40,000 साल पहले से भारत के सभी लोगों का डीएनए वही है जो आज के लोगों का है। हम सभी के पूर्वज एक हैं, उन्हीं पूर्वजों के कारण हमारा देश फला-फूला, हमारी संस्कृति बनी रही। कार्यक्रम में भागवत ने ये भी कहा कि संघ का सरकार पर कोई नियंत्रण नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्य लोग जो सरकार में हैं, वे संघ के हैं और रहेंगे। शनिवार को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को धर्मशाला में पूर्व सैनिकों के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 40 हजार साल पहले भारत के सभी लोगों का डीएनए वही है जो आज के लोगों का है। हम सभी के पूर्वज एक हैं और उन्हीं पूर्वजों के कारण हमारा देश फला-फूला और हमारी संस्कृति बनी रही। कार्यक्रम में इससे पहले मोहन भागवत ने तमिलनाडु के कुन्नूर में हेलिकॉप्टर दुर्घटना में जान गंवाने वाले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत और 12 सशस्त्र बलों के जवानों के निधन पर दुख और संवेदना व्यक्त की और एक मिनट का मौन रखा। धर्मशाला में हुए कार्यक्रम में करीब एक हजार पूर्व सैनिकों ने शिरकत की। आरएसएस प्रमुख ने उनसे संघ के बारे में और जानने का आग्रह किया। सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा, सरकारें हमारे खिलाफ थीं। हमेशा विरोध होता रहा है। संघ सभी बाधाओं को पार करके 96 वर्षों से चल रहा है और चूंकि इतने सारे स्वयंसेवक तैयार हो रहे हैं, इसलिए वे चुप नहीं बैठेंगे या बेकार नहीं बैठेंगे। समाज में जहां कहीं भी काम करने की आवश्यकता होती है, वे हमेशा उपलब्ध रहते हैं। स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्य यह साबित करते हैं कि वे सिर्फ संसद नहीं चलाते हैं, वे समाज के लोगों को अपने साथ ले जाते हैं, वे स्वतंत्र और स्वायत्त हैं। आरएसएस प्रमुख ने जोर देकर कहा कि संघ बिना किसी प्रचार, आर्थिक बल या सरकारी सहायता के लगातार समाज के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा, 40,000 साल पहले से भारत के सभी लोगों का डीएनए वही है जो आज के लोगों का है। हम सभी के पूर्वज एक हैं, उन्हीं पूर्वजों के कारण हमारा देश फला-फूला, हमारी संस्कृति बनी रही।

संक्षिप्त समाचार

यूपी चुनाव सेमीफाइनल नहीं, लोकसभा चुनाव 2024 पर नहीं होगा असरः प्रशांत किशोर

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश में अलगे साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। इस चुनाव पर पूरे देश की नज़रें टिकी हुई हैं। यूपी चुनाव को लेकर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने एक चैनल को दिए इंटरव्यू में अपनी बात रखी। प्रशांत किशोर का मानना है कि विधानसभा चुनाव में जो भी हो, उसका सीधा असर लोकसभा चुनाव पर होगा, ये कहा नहीं जा सकता। कुछ लोगों का मानना है कि ये चुनाव लोकसभा चुनाव की टोन सेट करेगा, लेकिन ऐसा नहीं है। प्रशांत किशोर से जब पूछा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कट्टर हिंदुत्व एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए जाना जाता है। ऐसे में वहां ध्रुवीकरण कैसा होगा? इस सवाल के जवाब में प्रशांत किशोर ने बताया प्रदेश में ध्रुवीकरण का चेहरा जो भी हो या ध्रुवीकरण की घटना जो भी हो, उसकी सीमाएं होंगी। प्रशांत किशोर ने आगे कहा 2012 में बीजेपी यूपी में नंबर तीन या नंबर चार पर थी। समाजवादी पार्टी ने राज्य में जीत हासिल की, लेकिन 2014 के आम चुनाव में इसका कोई असर नहीं पड़ा।'' उन्होंने कहा, ''साल 2022 में यूपी का चुनाव सेमीफाइनल नहीं है। 2024 से पहले कई अन्य राज्यों में चुनाव होने हैं।'

केंद्रीय बिजली उपक्रमों का पूंजीगत व्यय पर निवेश 45 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। बिजली क्षेत्र के केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों का पूंजीगत व्यय पर निवेश पिछले साल की तुलना में 45 प्रतिशत बढ़ा है। बिजली मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी।मंत्रालय ने बताया कि उसकी सार्वजानिक इकाइयों के लिए वित्त वर्ष 2021-22 में 50,690.52 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का लक्ष्य रखा गया है। मंत्रालय ने कहा कि वर्ष 2021-22 के दौरान केंद्रीय सार्वजनिक इकाइयों ने अब तक 32,137 करोड़ रुपये का निवेश पूंजीगत व्यय किया है, जो वार्षिक लक्ष्य का 63.4 प्रतिशत है। पिछले साल नवंबर तक उन्होंने 22,127 करोड़ रुपये का पूंजी व्यय किया था। इस तरह वास्तविक संदर्भ में पिछले साल की तुलना में नवंबर तक पूंजीगत व्यय निवेश 45 प्रतिशत बढ़ा है। बिजली क्षेत्र के ढांचागत विकास के मामले में प्रगति अच्छी रही है।मंत्रालय ने अपनी विभिन्न विकास योजनाओं के तहत वित्त वर्ष में अभी तक 3,419.23 करोड़ रुपये की राशि लगाई है। केंद्रीय बिजली उपक्रमों के अलावा मंत्रालय की तरफ से किए गए विकास व्यय को भी जोड़ दें,तब अप्रैल-नवंबर 2021 के दौरान कुल 35,628.6 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है।

ब्राह्मणों को लेकर मांझी ने दिया विवादित बयान

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतन राम मांझी अपने विवादों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। पिछले दिनों उन्होंने शराबबंदी पर सवाल उठाए थे। अब उन्होंने पंडितों को लेकर विवादित बयान दिया है। पटना में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पंडितों के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, शनिवार शाम को मांझी पटना में भुइयां मुसहर सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने के लिए पहुंचे। यहां अपने भाषण के दौरान उन्होंने पंडितों को लेकर अपशब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने धर्म के नाम पर हो रही राजनीति का मुद्दा उठाया। इसी दौरान ब्राह्मणों को लेकर अमर्यादित शब्द बोले। कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए मांझी ने कहा, आजकल गरीब तबके के लोगों में धर्म की परायणता ज्यादा आ रही है। सत्यनारायण पूजा का नाम हम लोग नहीं जानते थे। अब हर टोला में हम लोगों के यहां सत्यनारायण भगवान की पूजा होती है। इतनी भी शर्म लाज नहीं लगती है कि पंडित आते हैं और कहते हैं कि बाबू कुछ नहीं खाएंगे आपके यहां, बस कुछ नगदी दे दीजिए। मांझी का यह विवादित बयान तूल पकड़ रहा है। हालांकि उनकी पार्टी के प्रवक्ता दानिश रिजवान उनका बचाव करने के लिए मैदान में आ गए हैं। उनका कहना है कि मांझी के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। सभी संप्रदाय और तमाम जातियों के प्रति उनकी आस्था है। मांझी ने उन ब्राह्मणों का विरोध किया है जो गरीब लोगों के घर में खाना नहीं खाते हैं लेकिन फिर भी पैसा लेते हैं।

केरल में दो राजनीतिक हत्याओं के बाद संग्राम सीएम ने सख्ती के निर्देश दिए

नई दिल्ली। भाजपा समेत दो पार्टी की नेताओं की हत्या ने केरल के अलप्पुझा जिले में सनसनी पैदा कर ली है। घटना शनिवार और रविवार यानि आज सुबह की बताई जा रही है। सनसनीखेज वारदातों के बाद जिले में धारा 144 लागू कर दी गई है। उधर, मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री विजयन ने लोगों से अपराधियों के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया है, जो सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, विपक्ष के नेताओं ने घटना के पीछे सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने की बात कही है। अलप्पुझा जिले के अधिकारियों ने बताया कि एसडीपीआई के प्रदेश सचिव की हत्या के बाद करीब 12 घंटे बाद भाजपा के एक नेता की हत्या कर दी गई। इसके बाद रविवार को पूरे अलाप्पुझा जिले में दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। केरल में एसडीपीआई के प्रदेश सचिव के एस शान पर शनिवार की रात घर लौटते समय बेरहमी से हमला किया गया। शान की पार्टी एसडीपीआई ने आरोप लगाया कि घटना के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का हाथ है। पुलिस ने बताया कि शान ने आधी रात के करीब कोच्चि के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि इसके कुछ घंटों बाद रविवार सुबह कुछ हमलावरों ने भाजपा के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा के प्रदेश सचिव रंजीत श्रीनिवास के घर में घुसकर उनकी हत्या कर दी। पुलिस को संदेह है कि शान की हत्या के प्रतिशोध में श्रीनिवास पर घातक हमला किया गया। श्रीनिवास भाजपा प्रदेश समिति के सदस्य भी थे। पुलिस ने बताया कि एसडीपीआई नेता जब घर लौट रहे थे तभी एक कार ने उनकी मोटरसायकिल को टक्कर मार दी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

पहला कॉलम

जनता का विश्वास जीतने मथुरा पहुंचे सीएम योगी का विपक्ष पर करारा प्रहार

नई दिल्ली ।

विधानसभा चुनाव को देखते हुए जनता में विश्वास जगाने के लिए सीएम योगी जनविश्वास यात्रा का शुभारंभ करने के लिए रविवार को मथुरा पहुंचे। सीएम योगी ने जनविश्वास यात्रा का शुभारंभ करने से पहले श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर पहुंचकर कान्हा का आशीर्वाद प्राप्त किया। उनके साथ ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा और कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी भी मौजूद थे। इसके सीएम योगी ने जनसभा को संबोधित किया। अपने साढ़े चार साल काम ओर भाजपा की सरकार नीतियों का बखान करते हुए सीएम योगी ने जन विश्वास यात्रा का शुभारंभ किया। सीएम योगी ने आगे कहा, 135 करोड़ लोग हमारे लिए परिवार हैं, लेकिन कांग्रेस, सपा, बसपा के लिए उनके लिए सिर्फ उनका परिवार मायने रखता है। जब हमारी सीमाएं सुरक्षित और सुरक्षित हैं तो विपक्ष को यह पसंद नहीं है। जब दंगाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होती है तो उन्हें यह पसंद नहीं आता। सीएम योगी ने कहा, विपक्ष को दंगाइयों का समर्थन करना, आतंकवादियों को बख्शना, गौ तस्करों को प्रोत्साहित करना, पैसे की चोरी करना और लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ करना पसंद है।

महिला वोटरों को लुभाने में जुटी कांग्रेस

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी प्रदेश की महिलाओं को साधने की पूरी कोशिश में लगी हुई हैं। हाल ही में अपना महिला घोषणा पत्र जारी करने के बाद उत्तर प्रदेश के रायबरेली में रविवार को कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा महिला शक्ति संवाद रैली को संबोधित करेंगी। इस शक्ति संवाद में वह स्थानीय महिलाओं से बातचीत करेंगी। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए प्रियंका गांधीवाड्रा अपनी पार्टी की चुनाव प्रभारी भी हैं। लिहाजा, 2022 के विधानसभा चुनाव को भेदना प्रियंका गांधी के लिए एक बड़ी चुनौती है। उनके कार्यक्रम के मुताबिक, प्रियंका गांधी वाड्रा रायबरेली के रिफॉर्म क्लब में महिला शक्ति संवाद रैली में शिरकत करेंगी। गौरतलब है कि रायबरेली कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का संसदीय क्षेत्र है। जिसके चलते प्रियंका की ओर से महिलाओं के साथ किया जा रहा शक्ति संवाद कहीं न कहीं आगामी चुनाव में लाभ पहुंचा सकता है। रायबरेली विधानसभा सीट से पार्टी की विधायक अदिति सिंह के हाल ही में बीजेपी का दामन थामने से उपजी रिक्तता को भरने के लिहाज से वाड्रा का रायबरेली दौरा अहम माना जा रहा है। आगामी चुनाव में कांग्रेस की ओर से 40 प्रतिशत टिकट महिलाओं को दिये जाने की घोषणा के बाद वाड्रा राज्य के विभन्नि इलाकों में महिला संवाद रैलियों का आयोजन कर संबद्ध इलाके में संभावित उम्मीदवारों की भी पहचान करती हैं। साथ ही इन रैलियों में महिलाओं के मुद्दों को प्रमुखता से उठाये जाने के मद्देनजर कांग्रेस प्रदेश में आधी आबादी के वोट अपने पक्ष में करने की कोशिश में है।

कपूरथला में निशान साहिब से छेड़छाड़ के बाद आरोपी की बेरहमी से पिटाई

अमृतसर ।

पंजाब के अमृतसर में कथित बेअदबी के प्रयास में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या करने के कुछ घंटों बाद कपूरथला जिले में स्थानीय लोगों ने एक अन्य व्यक्ति की पिटाई कर दी। निजामपुर गांव के निवासियों ने रविवार तड़के एक गुरुद्वारे के पास एक शख्स को इस आरोप में पकड़ा कि वह तड़के चार बजे गुरुद्वारे में निशान साहिब का अपमान कर रहा था। मिली जानकारी के अनुसार, गुरुद्वारा के कार्यवाहक अमरजीत सिंह ने एक वीडियो को सोशल मीडिया पर अपलोड किया है। ऐसी जानकारी मिली है कि कपूरथला जिले के निजामपुर गांव के गुरुद्वारे में एक शख्स ने निशान साहिब की बेअदबी की। ग्रामीणों ने बेअदबी करने वाले को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई की। ग्रामीणों ने इसका वीडियो भी बनाया। वीडियो बनाते हुए ग्रामीणों ने कहा कि उनके बगल में पुलिस चौकी है, लेकिन वे इसे पुलिस को नहीं सौंपेंगे। इसे अपनी कस्टडी में रखेंगे। उन्होंने सिख संगठनों को बुलाया है। वही इसका फैसला करेंगे। अभी पकड़े गए युवक की जानकारी नहीं मिल पा रही है। उधर, पुलिस ने भी उसे हिरासत में लेने की पुष्टि नहीं की है।

पीएम मोदी ने कहा

न गोवा अपनी भारतीयता को भूला,न भारत अपने गोवा को भूला

पणजी (एजेंसी)।

गोवा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुनर्निर्मित फोर्ट अगुआडा जेल संग्रहालय, गोवा मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक, न्यू साउथ गोवा जिला अस्पताल, मोपा हवाई अड्डे पर विमानन कौशल विकास केंद्र और गोवा में दावोरलिम, नावेलिम में गैस-इन्सुलेट सबस्टेशन सहित कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित कर कहा, गोवा की धरती को, गोवा की हवा को, गोवा के समंदर को प्रकृति का अद्भुत वरदान मिला हुआ है। आज आप सभी का गोवा की धरती पर ये जोश, गोवा की हवाओं में मुक्ति के गौरव को और बढ़ा रहा है। पीएम मोदी ने कहा, आज गोवा न केवल अपनी मुक्ति की डायमंड जुबली मना रहा है बल्कि 60 वर्षों की इस यात्रा की स्मृतियां भी हमारे सामने हैं।हमारे सामने आज संघर्ष और बलिदानों की गाथा भी है, लाखों गोवावासियों के परिश्रम और लगन के वहां परिणाम हैं, जिनकी वजह से हमने एक लंबी दूरी तय की है। उन्होंने कहा, गोवा एक उस समय में पुर्तगाल के अधीन गया था जब देश के दूसरे बड़े भूभाग में मुगलों की सल्तनत थी।उसके बाद कितने ही सियासी तूफान इस देश ने देखे, सत्ताओं की कितनी उठक पटक हुई। समय और सत्ताओं की उठापटक के बीच सदियों की दूरियों के बाद भी न गोवा अपनी भारतीयता को भूला, न भारत अपने गोवा को भूला, ये एक ऐसा रिश्ता है जो समय के साथ और सशक्त ही हुआ है। पीएम मोदी ने कहा, भारत एक ऐसा भाव है, जहां राष्ट्र 'स्व' से ऊपर होता है, सर्वोपरि होता है। जहां एक ही मंत्र होता है, राष्ट्र प्रथम, जहां एक ही संकल्प होता है, एक भारत, श्रेष्ठ भारत। पीएम ने पुर्तगाली शासन से मुक्त कराने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन विजय के स्वतंत्राता सेनानियों को सम्मानित किया।रविवार की दोपहर पहुंचे मोदी ने बाद में मीरामार में फ्लाई पास्ट और जलयान परेड देखी। उन्होंने कहा कि गोवा के लोग कितने ईमानदार होते हैं, कितने प्रतिभावान और मेहनती होते हैं, देश गोवा के चरित्र को मनोहर जी के भीतर देखता था। आखिरी सांस तक कोई कैसे अपने राज्य, अपने लोगों के लिए लगा रह सकता है, उनके जीवन में हमने ये साक्षात देखा था। गोवा में एक ओर ये अनंत समंदर है, तो दूसरी ओर यहां के युवाओं के व्यापक सपने हैं। इन सपनों को पूरा करने के लिए ऐसा ही व्यापक विजन चाहिए।सीएम प्रमोद सावंत इसतरह के विजन के साथ काम कर रहे हैं।

एकजुट महिलाएं बदल सकती हैं इस देश की राजनीतिः प्रियंका गांधी

-कांग्रेस महासचिव ने की महिलाओं के वोट की ताकत से परिवर्तन की अपील

रायबरेली। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश मामलों की प्रभारी प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को सांप्रदायिकता और जातिवाद की राजनीति पर हमला करते हुए महिलाओं को उनकी ताकत का अहसास कराया और उनके वोट की ताकत से परिवर्तन लाने की अपील की। साथ ही वाद्रा ने कहा कि महिलाएं एकजुट होकर इस देश की राजनीति बदल सकती हैं। वाद्रा ने रविवार को कांग्रेस के महिला सशक्तीकरण महाअभियान के तहत रायबरेली के रिफार्म्स क्लब में शक्ति संवाद को संबोधित किया। उन्होंने कहा, अगर सारी महिलाएं एकजुट हो जाएं कि हम देश की राजनीति बदलेंगे तो यह असंभव नहीं है। आप हमें शक्ति दीजिए, हम आपको शक्ति देंगे, जब हम मिलकर लड़ने के लिए खड़े हो जाएंगे तो कोई हमें रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा, ''हमें चुनावी मंचों से सांप्रदायिकता सिखाई जाती है, जातिवाद सिखाया जाता है, ये राजनीति हमें बंद करनी है। हमें चाहिए अपने भविष्य की राजनीति, विकास की राजनीति। उन्होंने महिलाओं को उनके भविष्य का मंत्र देते हुए कहा, इस देश की सारी महिलाएं एकजुट होकर कहें कि हमें तुम ऐसी राजनीति दो नहीं तो हम तुम्हें वोट नहीं देंगे तो आप बताओ कि कैसे नहीं बदलेगी इस देश की राजनीति।'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' नारे के साथ कांग्रेस महासचिव ने महिलाओं को राजनीति में आगे आकर अपनी लड़ाई खुद लड़ने की प्रेरणा देते हुए कहा, हर तरफ महिला का शोषण हो रहा है, उसका अधिकार, उसका हक नहीं मिल रहा है। वाद्रा ने कांग्रेस के घोषणा पत्र की चर्चा करते हुए कहा, मेरे मन में आया कि महिलाओं के लिए कुछ करना है और सबसे बड़ी चीज क्या कर सकते हैं हम आपके लिए। हम आपको समझा सकते हैं कि आप अपनी शक्ति को पहचानो। हमने ये शक्ति विधान बनाया, यह महिलाओं के लिए घोषणा पत्र हैं। इसमें तमाम घोषणाएं हैं जो हम महिलाओं के लिए करना चाहते हैं, जो चीजें हम आपको सशक्त करने के लिए करना चाहते हैं। उन्होंने उन्नाव और हाथरस दुष्कर्म मामलों की चर्चा करते हुए भारतीय जनता पार्टी सरकार के कार्यकाल के दौरान महिलाओं का उत्पीड़न होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा,'' महिलाओं के लिए मेरी पहल का असर इतना हुआ कि अब सभी दल महिलाओं की बात करने लगे हैं, परसों प्रधानमंत्री भी सभा करने जा रहे हैं जिसमें सिर्फ महिलाओं को बुलाया है। अब सारी पार्टियां महिलाओं की बात करने लगी हैं। एक छोटी सी पहल से जितनी भी राजनीतिक पार्टियां हैं सब उठ गई हैं, सब जाग गई हैं।

अमेठी में राहुल प्रियंका की पदयात्रा पर स्मृति ईरानी का तंज

अमेठी (एजेंसी) ।

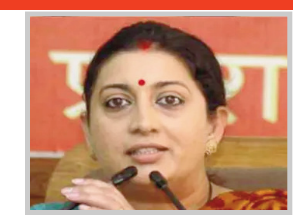

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने उत्तर प्रदेश के अमेठी में कांग्रेस नेताओं - राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की पदयात्रा के लिए उनपर कटाक्ष किया और कहा कि कांग्रेस नेताओं को लखनऊ और छत्तीसगढ़ से लोगों को जुटाना पड़ा, जो अमेठी से उनके संबंध के बारे में काफी कुछ बयां करता है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल और उनकी बहन प्रियंका ने अमेठी में जगदीशपुर से हरिमऊ गांव तक पैदल मार्च निकाला, जहां पहुंचकर राहुल गांधी ने एक जनसभा को संबोधित किया। वे नरेंद्र मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ आयोजित जन जागरण अभियान 'भाजपा भगाओ, महंगाई हटाओ प्रतिज्ञा पदयात्रा' में हिस्सा ले रहे थे। राहुल गांधी 15 साल तक अमेठी से सांसद रह चुके हैं। वह 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की स्मृति ईरानी से 55,120 मतों से हारने के बाद दूसरी बार अमेठी के दौरे पर हैं। अमेठी नेहरू-गांधी परिवार का गढ़ हुआ करता था। अमेठी की सांसद ईरानी से जब पदयात्रा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'आज भाई-बहन अमेठी में थे। उन्हें लखनऊ, संत कबीर नगर और छत्तीगढ़ से भीड़ लानी पड़ी।।।किसी को आज बहुत मेहनत करनी पड़ी है।'

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, 'तथ्य यह है कि आप (नेहरू-गांधी परिवार) 50 वर्षों से एक निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि थे, लेकिन अब हालत यह हो गई है कि आपको लखनऊ से 50 लोगों को अमेठी लाना पड़ा। यह मेरे निर्वाचन क्षेत्र से उनके संबंध के बारे में बहुत कुछ बताता है।

जौनपुर को 573 करोड़ की योजनाओं की सौगात देंगे नितिन गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी पूर्वी उत्तर प्रदेश के जौनपुर में 573 करोड़ 36 लाख रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। प्रभारी अधिकारी प्रोटोकाल अनिल कुमार अग्निहोत्री ने बताया कि गडकरी 20 दिसंबर को वाराणसी के बाबतपुर एयरपोर्ट सुबह 10।30 बजे आयेंगे और हेलीकाप्टर से जौनपुर के मछलीशहर बस स्टैंड स्थित हेलीपैड 11।50 बजे पहुंचेगे और मछलीशहर में नेशनल हाई-वे से सम्बन्धित विभन्नि योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। इस मौके पर वह एक जनसभा को भी सम्बोधित करेंगे। दोपहर एक बजे केन्द्रीय मंत्री अतरैला शिवगुलाम, मर्जापुर के लिए प्रस्थान करेंगे। गडकरी के स्वागत के लिए प्रशासनिक स्तर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं। मछली शहर स्थित फौजदार इंटर कॉलेज में टेंट लगाने का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। सीएम मुख्यमंत्री योगी आदत्यिनाथ और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी विकास कार्यों से जुड़े 573।36 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे इसमें 442।66 करोड़ रुपये का शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा 130।70 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्यों से जुड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। मंत्री 27 करोड़ रुपये की लागत से जौनपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-128 पर ब्रिज के नर्माण के कार्य का शिलान्यास करेंगे।

संसद के शीतकालीन सत्र में घटी राज्यसभा की उत्पादकता, महज 37.60 प्रतिशत हुआ कामकाज

नई दिल्ली: सदन के 12 सदस्यों के निलंबन के मुद्दे पर हंगामे और स्थगन के कारण शीतकालीन सत्र के तीसरे सप्ताह के दौरान राज्यसभा की उत्पादकता कम हो गई और इस दौरान सिर्फ 37.60 प्रतिशत ही काम हो पाया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्यसभा सचिवालय ने बताया कि निरंतर व्यवधानों ने पहले तीन हफ्तों के लिए सदन की कुल कार्यक्षमता को घटाकर 46.70 प्रतिशत कर दिया। सचिवालय द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार राज्यसभा की उत्पादकता पहले सप्ताह में 49.70 प्रतिशत और दूसरे सप्ताह में 52.50 प्रतिशत रही। वहीं, तीसरे सप्ताह में सदन 27 घंटे 11 मिनट के कुल निर्धारित समय में से केवल 10 घंटे 14 मिनट के लिए कार्य कर सका है। राज्यसभा सचिवालय ने बताया, '' तीसरे सप्ताह के दौरान सबसे अधिक प्रश्नकाल प्रभावित हुआ, जिसमें संबंधित मंत्रियों द्वारा मौखिक रूप से 75 सूचीबद्ध तारांकित प्रश्नों में से केवल चार प्रश्नों के उत्तर दिए गए।'' सचिवालय ने बताया, ''तीसरे सप्ताह के दौरान प्रश्नकाल के लिए उपलब्ध समय का केवल 11.40 प्रतिशत ही इस्तेमाल हो सका, जबकि कामकाज का 62.70 प्रतिशत समय सरकार के विधायी कार्य पर खर्च किया गया है।''

एमआरएनए तकनीक आधारित वैक्सीन ही होगी कोरोना के विभिन्न वैरियंट पर कारगर

नई दिल्ली । पिछले करीब दो साल से कोरोना के चलते पूरी दुनिया में कोहराम मचा है। अभी तक ठोस दवा वायरस को मात देने के लिए नहीं बनी है। लिहाजा इससे बचने का एकमात्र उपाय वैक्सीन है।लेकिन कोरोना के नए वेरिएंट वैज्ञानिकों के लिए चुनौती खड़ी कर देते हैं।जहां नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के खिलाफ मौजूदा वैक्सीन कारगर है या नहीं, फिलहाल कहना मुश्किल है।लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर एमआरएनए तकनीक आधारित कोई वैक्सीन बनाती है,तब उसमें बदलाव करना आसान होता है।इसके बाद वहां किसी भी वेरिएंट के खिलाफ ये कारगर हो सकती है। वैज्ञानिकों ने कहा, एमआरएनए वैक्सीन के प्लग एंड प्ले फीचर से किसी भी वैक्सीन को नए वेरिएंट से लड़ने के लिए एक महीने के अंदर तैयार किया जा सकता है। बता दें कि कैटलीन कैरिको को इस साल टाइम पत्रिका ने हीरोज ऑफ द ईयर के खिताब से नवाजा है।हंगरी की महिला वैज्ञानिक की फाइज़र और बायोएनटेक की वैक्सीन के विकास में भी बड़ी भूमिका रही है। क्लीनिकल ट्रायल में वैक्सीन 95 फीसदी असरदार मिली और वैक्सीन के लिए कैटलिन की भूमिका यह रही कि जब आरएनए तकनीक को वैक्सीन के लिए अव्यावहारिक आइडिया माना जा रहा था, तब उन्होंने इस पर काम किया।

कोलकाता नगर निगम चुनाव, वोटिंग के दौरान देशी बम धमाका, 3 जख्मी

भाजपा ने लगाया टीएमसी पर आरोप

कोलकाता (एजेंसी) ।

कोलकाता पुलिस ने पुष्टि की कि कोलकाता नगर निगम (केएमसी) चुनाव के दौरान रविवार सुबह कोलकाता के उत्तर-पूर्वी हिस्से में हुए बम विस्फोट में तीन लोग घायल हुए। अधिकारियों ने कहा कि मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।यह घटना केएमसी वार्ड नंबर 36 में ताकी बॉयज स्कूल स्थित मतदान केंद्र के पास हुई।सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और कांग्रेस ने एक-दूसरे पर बाहरी लोगों को लाकर गड़बड़ी करने का आरोप लगाया। पुलिस अधिकारी ने बताया, घटना मतदान केंद्र से लगभग 200 मीटर की दूरी पर हुई। इससे चुनाव प्रक्रिया प्रभावित नहीं हुई है।इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।हमारे द्वारा मतदाताओं से अपील की है कि वे बिना किसी डर के अपने मताधिकार का प्रयोग करें, घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया है।

विपक्षी दलों के नेताओं के साथ-साथ टीएमसी ने भी कई इलाकों में डराने-धमकाने और बूथ जाम करने के आरोप लगाए।भाजपा नेता मीना देवी पुरोहित, जो अपनी लोकप्रियता के कारण 2005 से वार्ड नंबर 22 से तीन बार जीती हैं, ने आरोप लगाया कि सुबह मध्य कोलकाता के माहेश्वरी बॉयज स्कूल में मतदान केंद्र पर टीएमसी समर्थकों ने उन पर और उनके समर्थकों पर हमला किया।पुरोहित ने कहा,एक महिला ने मेरे साथ मारपीट की और मेरा ब्लाउज फाड़ दिया। उन्होंने मुझे बूथ में प्रवेश नहीं करने दिया। इन आरोपों को खारिज करते हुए कि हिंसा के पीछे टीएमसी का हाथ है, बंगाल के परिवहन मंत्री फिरहाद हकीम, जो चुनाव लड़ रहे हैं, ने कहा, उन्होंने कोलकाता में मार्च-अप्रैल विधानसभा चुनावों के दौरान इसी तरह के आरोप लगाए थे।भारत के चुनाव आयोग ने सभी आरोपों की जांच कर उन्हें निराधार पाया। भाजपा के आरोप पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि उनके पोलिंग एजेंटों को कई बूथों से बाहर किया जा रहा है, हकीम ने कहा, भाजपा ने चुनाव आयोग द्वारा जारी मैनुअल को भी नहीं पढ़ा है। यह स्पष्ट रूप से कहता है कि एक एजेंट को उस क्षेत्र का निवासी होना चाहिए जहां बूथ स्थित है।बीजेपी कहीं से भी लोगों को हायर करके पोलिंग एजेंट के तौर पर नहीं भेज सकती। पार्टी का कोई संगठन नहीं है। हाकिम ने कहा,मैं कोलकाता पुलिस के प्रदर्शन से बहुत खुश हूं।मतदान शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा है। भाजपा का आरोप कि कई जगहों पर सुरक्षा कैमरे निष्क्रिय कर दिए गए हैं, निराधार है।मैंने व्यक्तिगत रूप से कुछ बूथों का दौरा किया।वहीं टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भाजपा के आरोपों को खारिज कर कहा कि अगर कोई टीएमसी कार्यकर्ता कथित हिंसा और चुनावी कदाचार में शामिल पाया जाता है तब उसपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बनर्जी ने स्कूल में वोट डालने के बाद कहा,अगर भाजपा के पास सभी बूथों पर मतदान एजेंटों को तैनात करने की संगठनात्मक ताकत नहीं है,तब टीएमसी कुछ नहीं कर सकती।छिटपुट घटनाओं को छोड़कर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हो रहा है।अगर मीडिया के पास कोई फोटो या वीडियो फुटेज है, जिसमें हमारे कार्यकर्ताओं को हिंसा या चुनावी कदाचार में शामिल दिखाया गया है,तब कृपया उस उपलब्ध कराएं।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटो,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com